नवम्बर -2023
अंक-38

शिक्षा के गोठ

मासिक ई-न्यूज़लेटर

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने खोजा नया एस्ट्रायड

नासा करेगा सम्मानित दुनिया के कई केन्द्रों से एस्ट्रायड सर्च कैम्पेन जारी सब कुछ सही रहा तो छात्रों को मिलेगा एस्ट्रायड के नामकरण का मौका भी

स्वामी आत्मानंद शासकीय बहुद्देशीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल बिलासपुर के विद्यार्थियों द्वारा खोजे गए 2 एस्ट्रायड को इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल सर्च कॉलेबोरेशन नासा पार्टनर द्वारा प्रारंभिक तौर पर नई खोज माना गया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए नासा द्वारा सम्मानित किया जाएगा। सप्तर्षि इंडिया एस्ट्रायड सर्च कैम्पेन 9 अक्टूबर से जारी है और 3 नवंबर को समाप्त होगा। इस सर्च कैम्पेन में दुनिया के कई केन्द्रों से एस्ट्रायड कैम्पेन जारी है। स्वामी आत्मानंद बहुद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर के विद्यार्थी मोहनीश धुरव, पंकज केवट, दीपांशु प्रजापति, अभिसेख, कु. दीपमाला एटीएल बिलासपुर लैब एवं सप्तर्षि इंडिया एस्ट्रायड सर्च कैम्पेन के तहत एटीएल एमचर एस्ट्रोनॉमर्स की टीम बनाकर भाग ले रहे है। छत्तीसगढ से यह एकमात्र संस्था है, जिसे सप्तर्षि इंडिया ने इस कैम्पेन में भाग लेने हेतु चयनित किया है।

माइनर प्लेनेट सेंटर द्वारा वैज्ञानिक मानकों के अनुसार फिर जांच की गई और खरा उतरने पर प्रारंभिक डिटेक्शन की मान्यता दी गई। इसके बाद अब लगभग एक वर्ष तक विभिन्न मानको पर जांच की जाएगी। मानकों पर खरा उतरने पर प्रोविजिनल डिस्कवरी के रूप में मान्य किया जाएगा। करीब 5 वर्ष तक वैज्ञानिकों क्षरा गहन अध्ययन के उपरांत आब्जेक्ट को नंबर्ड डिस्कवरी का तमगा मिलेगा। इस स्टेज के बाद प्रिलिमिनरी डिटेक्शन करने वाली टीम को समय आने पर ऑब्जेक्ट का नामकरण करने का दिया जाता है।

पांच वर्ष तक वैज्ञानिक करेंगे अध्ययन

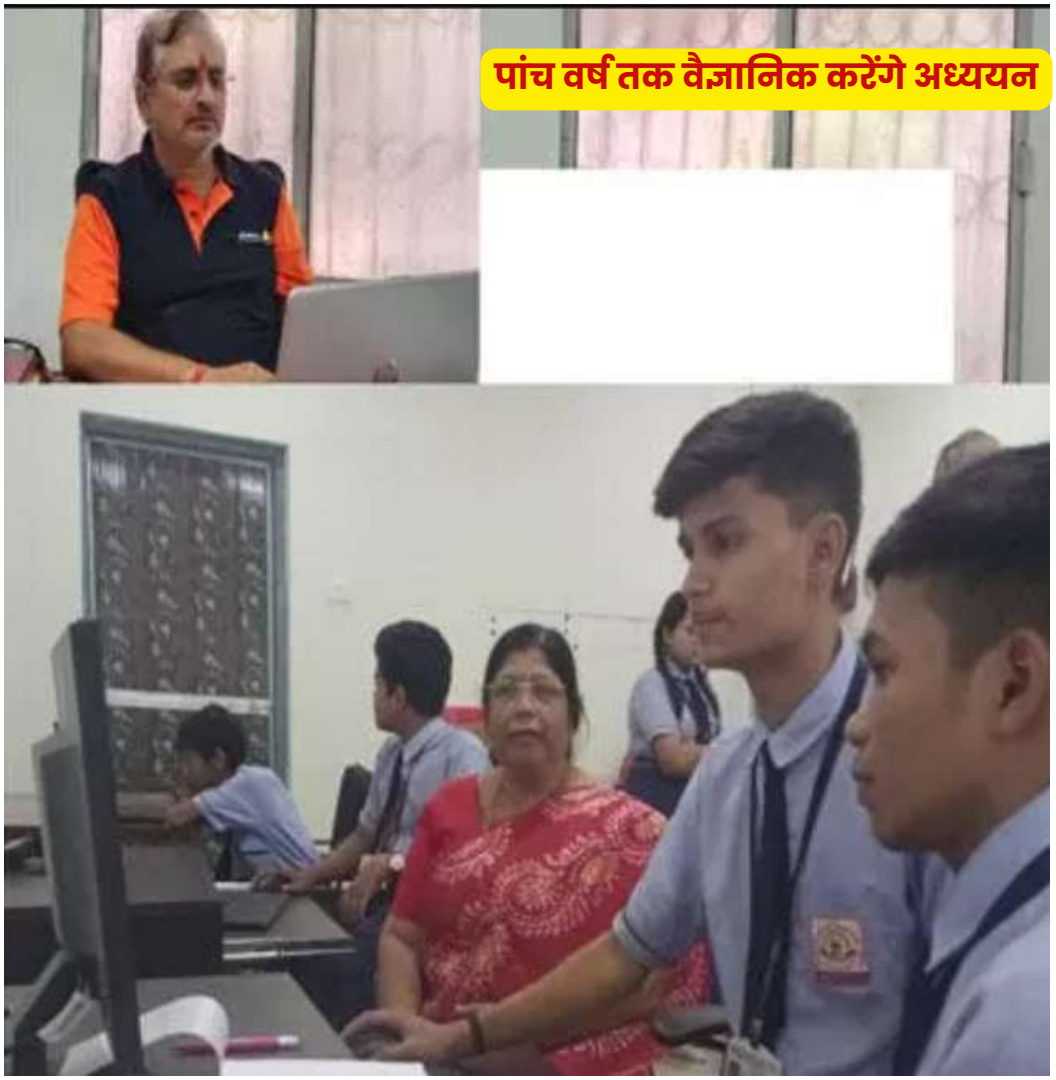

इंटरनेशल एस्ट्रोनॉमिकल सर्च कॉलेबोरेशन की ओर से दो टेलीस्कोप द्वारा वैज्ञानिक प्रक्रिया से लिए गए आसमनी छायाचित्र पीएस 1 और पीएस 2 इमेज भेजे गए। एक माह के अंतराल में ऐसे लगभग 25 इमेज सेट प्राप्त हुए, जो आसमान के सैकड़ों तारो एवं अन्य खगोलीय ऑब्जेक्ट से भरे हुए थे। खगोलविज्ञान डाटा विश्लेषण के लिए एस्ट्रोनॉमिका सॉफ्टवेयर से एस्ट्रायड के तय मानको के अनुसार प्रत्येक छायाचित्र में मौजूद चलायमान ऑब्जेक्ट का विश्लेषण विद्यार्थियों ने किया। तय मानको में खरा उतरने वाले ऑब्जेक्ट को इंटरनेशल एस्ट्रोनॉमिकल सर्च कॉलोबोरेशन को रिपोर्ट किया गया।

हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षावार एवं विषयवार इंटरएक्टिव वीडियो

विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार कर कमजोर बच्चों का किया जाएगा बौद्धिक विकास

कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग के प्राचार्य एवं शिक्षकों की बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने चालू शिक्षा सत्र में नई व्यवस्था करने की बात कही। उन्होंने कक्षा में कमजोर बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन करने को कहा, जिससे उनके शैक्षिक स्तर को बढ़ाया जा सके। कमजोर बच्चों के लिए स्कूल में ही अतिरिक्त कक्षाएं चलाई जाएंगी। जिससे उनका बौध्दिक विकास किया जा सकें। कलेक्टर ने बच्चों की पढ़ाई को गति प्रदान करने के लिए प्रत्येक शनिवार को संज्ञात्मक कक्षाएं संचालित करने को कहा।

उन्होंने कहा की तृतीय व द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले बच्चों को प्रथम श्रेणी में लाने का प्रयत्न किया जाए, ताकि वह अव्वल नंबर से परीक्षा उत्तीर्ण कर सके। शिक्षण में कमजोर बच्चों के बौद्धिक स्तर को सुधारने के लिए शिक्षकों को अतिरिक्त समय देकर शिक्षा देने के प्रयास करने चाहिए। लगातार प्रयासरत रहने से कमजोर बच्चों का ज्ञान बढ़ाया जा सकता है। निर्धारित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में सहभागिता कराकर बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक बनाने के लिए शिक्षकों को अपने दायित्व को ईमानदारी के साथ निभाना चाहिए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जायसवाल भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीणा ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की विषय विशेषज्ञों द्वारा कक्षाएं लेने को कहा। शिक्षकों द्वारा कक्षा अध्यापन हेतु विषयवार विषय विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण दिया जाएगा। कलेक्टर ने शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम के कक्षावार एवं विषयवार इंटरएक्टिव वीडियो विषय विशेषज्ञों द्वारा वीडियो तैयार करने को कहा, ताकि बच्चों की विषय की मूलभूत अवधारणा स्पष्ट हो सके।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिखलाकसा के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने पोस्टकार्ड लिखकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार बालोद जिले में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत बालोद जिले में निरंतर विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज जिले के डौण्डी विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर महाविद्यालय चिखलाकसा में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलावा विद्यार्थियों ने अपने परिजनों एवं परिचित के लोगों को पोस्टकार्ड लिखकर सभी प्रकार के निर्वाचनों में अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती अहिल्या रावटे, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री डीडी मण्डले सहित संस्था के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिका एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

चाक प्रकोष्ठ हेतु नव प्रतिनियुक्त शिक्षकों का उन्मुखीकरण

राज्य में स्कूली शिक्षा के बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए तेजी से बदलाव लाने की दृष्टि से राज्य में स्कूली शिक्षा में सुधार हेतु महत्वाकांक्षी विश्व बैंक समर्थित चाक परियोजना प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत SCERT में CHALK प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ में राज्य शासन द्वारा चाक प्रकोष्ठ के लिए शिक्षक प्रशिक्षकों और शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया गया है। SCERT ने नवगठित CHALK प्रकोष्ठ के माध्यम से कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। नवगठित CHALK प्रकोष्ठ के सदस्यों के लिए संचालक, परिषद् की अध्यक्षता में पहली उन्मुखीकरण बैठक 16 अक्टूबर 2023 को आयोजित की गईSCERT के संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने बैठक में चाक परियोजना के व्यापक उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने न केवल टीम को प्रेरित किया, बल्कि चाक परियोजना के रिजल्ट फ्रेमवर्क और बजट प्रावधान के बारे में संक्षेप में चर्चा की। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड बैंक की मदद से शिक्षा गुणवत्त सुधार के साथ स्कूलों का कायाकल्प किये जाने का निर्णय लिया गया है। परियोजना के माध्यम से 600 मॉडल स्कूलों को लाभ होगा। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पहले चरण में 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

इस मिलियन डालर लगभग 2500 करोड़ की सहायता प्राप्त होगी। संचालक महोदय ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत कक्षा के स्तर अनुरूप शिक्षकों को सिखने सिखाने से संबंधित प्रशिक्षण अपने लिए उपयुक्त प्रशिक्षण के चयन का अवसर स्कूलों में प्रभावी आकलन हेतु डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग जैसे कार्यों पर फोकस किया जायेगा। साथ ही स्कूल शिक्षा में बदलाव हेतु राज्य में कार्यरत स्कूल प्राचार्यों को अकादमिक एवं प्रशासनिक लीडरशिप पर सीमेट के माध्यम से विभिन्न क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। श्री राणा ने चाक प्रकोष्ठ अंतर्गत टीम को प्रारंभ मे टीचर क्षमता विकास ज्क्च् और सीमेट परामर्श सेवाओं अंतर्गत दो समूहों में काम करने के लिए कहा। उन्होंने सदस्यों को अपनी विशेषज्ञता के अनुसार परियोजना के सुचारू निष्पादन के लिए रणनीतियों को डिजाइन करने और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वांछनीय सुझावों के लिए निर्देशित किया। चाक प्रोजेक्ट नोडल ऑफिसर श्री आलोक शर्मा ने चाक परियोजना अंतर्गत व्यापक परिणाम क्षेत्रों/रूपरेखाओं के संक्षिप्त विवरण का प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 की सिफारिशों के प्रकाश में राज्य में शिक्षा की मौजूदा प्रणाली में गुणात्मक बदलाव के लिए चाक परियोजना बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी। चाक कार्यक्रम स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए SAGES स्कूलों के कार्यक्रम को आगे बढ़ाएगा इसके अलावा SCERT SIMAT DIETs आदि प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की क्षमता निर्माण को भी चाक प्रोजेक्ट के दायरे में शामिल किया जाएगा।

सरगुजिया भाषा के पाठ्यपुस्तक निर्माण के संदर्भ में दो दिवसीय कार्यशाला

राज्य में छत्तीसगढ़ी तथा स्थानीय क्षेत्र में बोली जाने वाली स्थानीय बोली/भाषा को कक्षा 1 से 5 तक के पाठ में एक विषय के रूप में सम्मिलित किए जाने के उपक्रम में एससीईआरटी में सरगुजिया बोली/भाषा में पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं विषय वस्तु संकलन के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर एससीईआरटी के संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने लेखन समूह से कार्यशाला के उद्देश्य और उसकी पूर्ति के लिए हमें क्या करना है इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरगुजिया भाषा छत्तीसगढ़ के सरगुजा और अंबिकापुर से लगे क्षेत्र की समृद्ध बोली भाषा है इस क्षेत्र विशेष की परंपराओं, संस्कृति की विरासत तीज, त्यौहार,लोकगीत, रीति रिवाज इतिहास राजनीतिक ज्ञान विज्ञान की बातें पाठ्यपुस्तक में विषय वस्तु के रूप में आने चाहिए। छत्तीसगढ़ की संस्कृति का भाव पाठक पुस्तक में उजागर होनी चाहिए। अनुवाद का कार्य नहीं करना है। शैली लेकर आना है, अर्थात उनके संस्कृति की शैली पाठ्य पुस्तक का हिस्सा बने इस बात पर विशेष ध्यान देना है। एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक जेपी रथ ने अपने संबोधन में कहा की सरगुजिहा भाषा में पाठ्यपुस्तक निर्माण का कार्य एक चुनौती भरा कार्य है। हमें यह विशेष ध्यान देनी होगी जिसमें संस्कृति की अस्मिता की पहचान के लिए इस बोली भाषा को पाठ्यपुस्तक में स्थान देना होगा। बच्चों के मातृभाषा में पाठ्यपुस्तक का निर्माण उनके उन्नति का द्वार है। बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़कर अपनी उन्नति कर सकेंगे। भाषाविद् चितरंजन कर ने मातृभाषा से पहचान, संस्कार की समस्त जानकारी से लेखन समूह को अवगत कराया। उन्होंने कहा की मातृभाषा नींव का पत्थर है, जिसमें समस्त बच्चों का भविष्य निर्माण संभव है। भाषा की से समझ विषय को समझने और सीखने की क्षमता का विकास होता है। सरगुजिया बोली /भाषा के साहित्यकार डॉ. सुधीर पाठक ने सरगुजिया भाषा के पाठ्यपुस्तक निर्माण की रूपरेखा और मानदंडों का पालन करते हुए पाठ्यपुस्तक सामग्री चयन में खरे उतरने की बात कही। कार्यशाला में कक्षा 1 से 5 तक कक्षा बार समूह द्वारा पाठ्यपुस्तक निर्माण हेतु सामग्री का चयन एवं

विचार विमर्श,कक्षा स्तर अनुसार विषयवस्तु का चयन किया जा रहा है। एससीईआरटी की प्राध्यापक डॉ. कामयानी कश्यप लेखन समूह को सरगुजा क्षेत्र और जहां सरगुजिया भाषा बोली जाती है उस अंचल विशेष की संस्कृति, रीति रिवाज, खान-पान, गीत, संगीत, ज्ञान, विज्ञान, साहित्य कला को प्रमुखता से शामिल करने की बात कही। कार्यशाला के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में पूर्व दिवस के कार्यों की फीडबैक, समीक्षा और आज के दिवस के किए जाने वाला कार्यों की भूमिका प्रत्येक कक्षा 1 से 5 तक कक्षावार लेखन समूह के प्रतिभागी द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यशाला के द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ और पंचम सत्र में प्रत्येक कक्षावार लेखन समूह द्वारा पाठकपुस्तक निर्माण हेतु सामग्री का चयन, विचार-विमर्श एवं कक्षा स्तरानुसार विषय वस्तु का चयन किया गया। समापन सत्र में एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक श्री जे .पी. रथ ने कार्यशाला में उपस्थित समस्त लेखन समूह की प्रशंसा करते हुए पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं सामग्री संकलन को पूर्णता की ओर ले जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इतिहास के पहले नीव का पत्थर हो जिन्होंने सरगुजिया भाषा में समझ के साथ पाठ्यपुस्तक निर्माण किया है जिसे 2024 में पहली पीढ़ी कहा कक्षा 1 से 5 तक पहली बार बच्चे अपनी भाषा में लिखित रूप से अपनी संस्कृति परंपरा से जुड़ेंगे। भाषाविद डॉ. चितरंजन कर ने प्रत्येक समूहों के बीच जाकर विचार-विमर्श किया और सामग्री चयन हेतु कार्यशाला के प्रतिभागियों को मार्गदर्शन किया। इसी क्रम में डॉक्टर महेंद्र मिश्रा ने सरगुजिया भाषा में लोककथा और जनश्रुति को स्थान देने की बात कही। नदी, पर्वत, जंगल इत्यादि की कहानी को कक्षा 1 से 5 तक पाठ्यक्रम में ज्यादा स्थान देने की बात कही। सरगुजा भाषा के साहित्यकार और संपादक डॉ. सुधीर पाठक ने कहा कि निश्चित रूप से सरगुजिहा बोली की प्राथमिकता यहां के त्यौहार, रीति रिवाज, संस्कृति, साहित्य, पहाड़, गोदना, कलाकारी, बाजा, वाद्य यंत्र को पाठ्यपुस्तक में समेटने की बात कही। कार्यशाला में डाइट अंबिकापुर से श्री अशोक पांडे सरगुजिहा बोली भाषा के साहित्यकार श्री रजीत सारथी, श्री एस.पी. जायसवाल, श्रीमती मीना वर्मा, श्रीमती मधु गुप्ता, श्रीमती राजलक्ष्मी पांडे, व्याख्याता शिक्षक में से सरगुजिहा बोली भाषा के जानकार श्री विजय कुमार सिंह, श्री अजय कुमार चतुर्वेदी, श्री शीशवत पावले, श्रीमती आशा पांडे, श्रीमती अर्चना पाठक, श्रीमती माधुरी जायसवाल, डॉक्टर सपन कुमार सिन्हा, श्रीमती स्नेह लता टोप्पो, श्री जयंत खानवलकर, श्रीमती अनीता मदिलवार, श्री रामजतन यादव, श्री संतोष बैगा, श्री नवीन साय, श्री आनंद कुमार सिंह, श्रीमती पूनम दुबे, श्रीमती राजकुमारी मेहता, श्री अचल कुमार सिन्हा एवं स्वयंसेवी संस्था के रूम टू रीड के प्रतिनिधि उपस्थित थे उपस्थित। इस कार्यसाला में एससीईआरटी, छत्तीसगढ़ के पाठ्यपुस्तक निर्माण लेखन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर सीमा श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक श्री सुशील राठौर, बहुभाषा शिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी प्राध्यापक डॉक्टर बी. रघु, डॉ जयभारती चंद्राकर, प्रधान पाठक श्री डटेश्वर वर्मा, राज्य साक्षरता मिशन के सहायक संचालक श्री प्रशांत पांडेय, कक्षावार समन्वयक एससीईआरटी से श्री केदार अग्रवाल, श्री नरेंद्र जांगड़े, श्रीमती यमुना शाहनी, श्रीमती चंचल देवांगन, श्रीमती गुंजा मिश्रा उपस्थित रहीं।कार्यशाला में सरगुजीहा बोली भाषा में साहित्यकार, सरगुजिहा बोली भाषा में जानकार व्याख्याता, शिक्षक, समाजसेवी एवं स्वयं सेवी संगठन से रूम टू रीड के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

उत्तराखंड के एससीईआरटी डाइट व स्वयंसेवी शिक्षकों को विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रशांत कुमार पाण्डेय ने दिया ऑन लाइन प्रशिक्षण

लोकतंत्र की मजबूती के लिए साक्षरता जरूरी प्रशांत कुमार पाण्डेय

लोकतंत्र की मजबूती के लिए साक्षरता जरूरी है एक व्यक्ति के लिए समुदाय के लिए भारत की लोकतंत्र की मजबूती के लिए साक्षरता क्यों जरूरी है घर-घर साक्षरता ले जाएंगे मतदाता जागरूकता बनाएंगे। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सहायक संचालक व राज्य साक्षरता केंद्र के नोडल अधिकारी प्रशांत कुमार पांडेय ने विषय विशेषज्ञ के रूप में उत्तराखंड के एससीईआरटी डाइट व 2000 से अधिक स्वयंसेवी शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण में यह उद्गार व्यक्त किया उन्होंने नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में स्वयंसेवी शिक्षकों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बड़ों को पढ़ाने व बच्चों को पढ़ाने में काफी अंतर है हमें बड़ों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें मनोरंजन और रोचक तरीके से उनकी भावनाओं को समझते हुए सीखाना होगा बुनियादी साक्षरता व अंक ज्ञान की बारीकी समझते हुए श्री पांडेय ने आगे कहा कि बुनियादी शिक्षा सतत शिक्षा जीवन कौशल शिक्षा जैसे वित्तीय साक्षरता डिजिटल साक्षरता चुनावी साक्षरता स्वच्छता स्वास्थ्य इत्यादि विषयों पर हमें विशेष रूप से ध्यान देना होगा उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा अब सबके लिए शिक्षा के नाम से जाना जाएगा उन्होंने राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र एनसीईआरटी द्वारा तैयार किए गए उजास प्रवेशिका तथा स्वयंसेवी शिक्षकों के लिए उल्लास मार्गदर्शिका का जिक्र किया उन्होंने आगे कहा कि दीक्षा पोर्टल में सारी सूचनाओं सारे विषय पाठ्यक्रम उपलब्ध है जिनका उपयोग ऑनलाइन व ऑफलाइन कक्षाओं के माध्यम से हमें उन्हें बारीकी से बताना होगा एनसीईआरटी रायपुर से उन्होंने यह ऑनलाइन प्रशिक्षण उत्तराखंड के सभी प्रतिभागियों को दिया जिसमें ढाई हजार लोगों की उपस्थिति रही पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होंने नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की अवधारणा उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की प्रशासनिक को अकादमी संरचना के बारे में उन्होंने बताया और छत्तीसगढ़ में किए गए कार्यों के संबंध में भी उन्होंने भी उल्लेखनीय चर्चा की उन्होंने आगे कहा की स्वयंसेवी शिक्षक को अपने आसपास के आस अक्षरों को परिवार की तरह पढ़ना होगा सीखना होगा उन्हें यह पता भी ना चले कि उन्हें पढ़ाया जा रहा है हमें कक्षा का ऐसा वातावरण बनाना होगा जिससे उन्हें लगे कि वह यहां कुछ सीखने के लिए नहीं बल्कि कौशल अर्जित करने के लिए आ रहे हैं जीवन में आने वाली कठिनाइयों का कैसे सामना करना है और आगे आने वाली चुनौतियों का कैसे सामना करना है इस पर भी रोचक तरीके से उन्होंने व्याख्यान दिया शिक्षा का सूरज ना मक वीडियो से उन्होंने साक्षरता के प्रति संदेश भी प्रसारित करवाया। श्री पांडेय ने चुनावी साक्षरता पर भी विशेष जोड़ देते हुए कहा कि मतदाताओं को जागरूक करना है उन्हें वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करने के साथ ही मतदान की दिवस मतदान करने की महत्ता को विशेष रूप से समझता है ताकि वह अपने कीमती मतों का सदुपयोग कर सकें।

सर्वे क्रमांक पैंतालिस - 28 सितंबर, 2023 से 28 अक्टूबर, 2023

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा से जारी निर्देश के आधार पर मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में घर-घर से मिट्टी एकत्रित कर एक कलश में लेकर विकासखंड तक पहुँचायी जानी थी। इस सर्वे के माध्यम से यह देखा जाना है कि कितने स्कूलों में राज्य से जारी निर्देश का पालन किया गया है।

शिक्षकों के लिए प्रश्न: "मेरी मिट्टी मेरा देश" कार्यक्रम के अंतर्गत क्या आपके स्कूल में घर-घर से मिट्टी कलश में एकत्रित की गयी है?

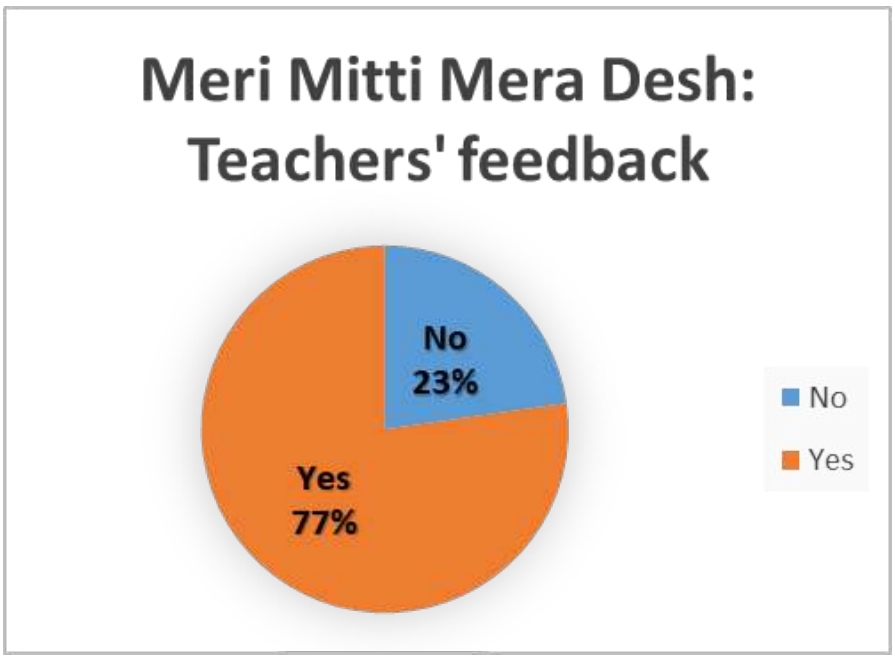

राज्य में लगभग 77% शिक्षकों ने अपने स्कूल में "मेरी मिट्टी मेरा देश" कार्यक्रम के अंतर्गत अपने स्कूल में घर-घर से मिट्टी कलश में एकत्रित की गयी है? और उनमें से 23% शिक्षकों ने उनके स्कूल में "मेरी मिट्टी मेरा देश" कार्यक्रम के अंतर्गत किसी प्रकार की गतिविधियों के न होने की जानकारी दी।

बच्चों के लिए प्रश्न: "मेरी मिट्टी मेरा देश" कार्यक्रम के अंतर्गत क्या आपके स्कूल में घर-घर से मिट्टी कलश में एकत्रित की गयी है?

राज्य से इस सर्वे में भाग लेने वाले बच्चों में से लगभग 71% बच्चों ने उनके स्कूल में "मेरी मिट्टी मेरा देश" कार्यक्रम के अंतर्गत घर-घर से मिट्टी कलश में एकत्रित की गयी और उनमें से 29% बच्चों ने उनके स्कूल में "मेरी मिट्टी मेरा देश" कार्यक्रम के अंतर्गत किसी प्रकार की गतिविधियों के न होने की जानकारी दी।

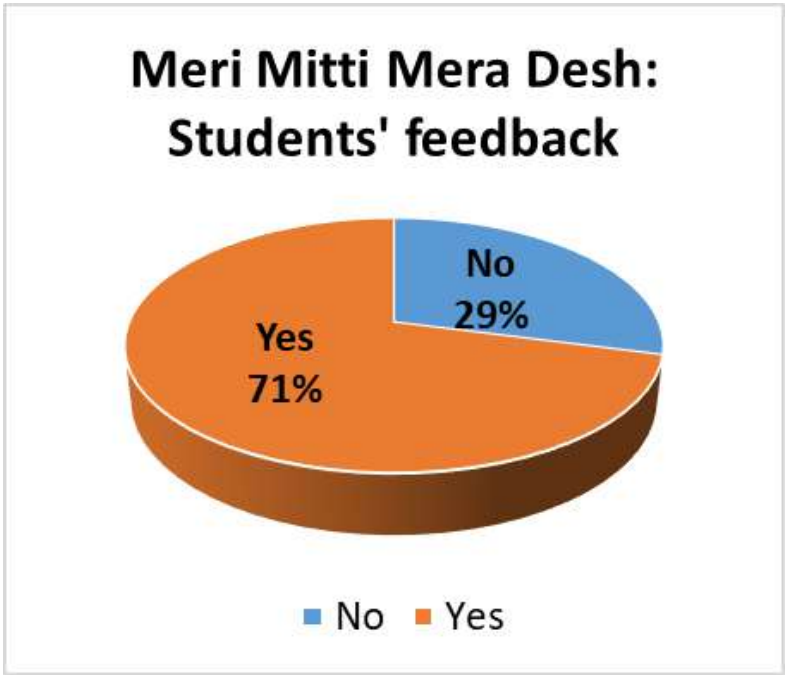

राज्य से जारी दिशानिर्देशों के आधार पर सभी स्कूलों में कार्यक्रम क्रियान्वयन के ट्रेकिंग की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि विभिन्न स्तरों पर निष्क्रिय शालाओं की जानकारी तत्काल मिल सके।

SAGES

MONTH – OCTOBER

Under the Swachh Bharat Abhiyan, labor was donated by SAGES Hindi and English medium children and staff.

Swami Atmanand Govt. English Medium School Of Excellence, Dond

C.G s first Commerce Lab inaugurated in SAGES.

Antariksh Gyaan Abhiyaan conducted by IDYM Foundation in SAGES Schools.

SWEEP PROGRAM in SAGES.

Swami aatmanand jayanti celebrated in SAGES.

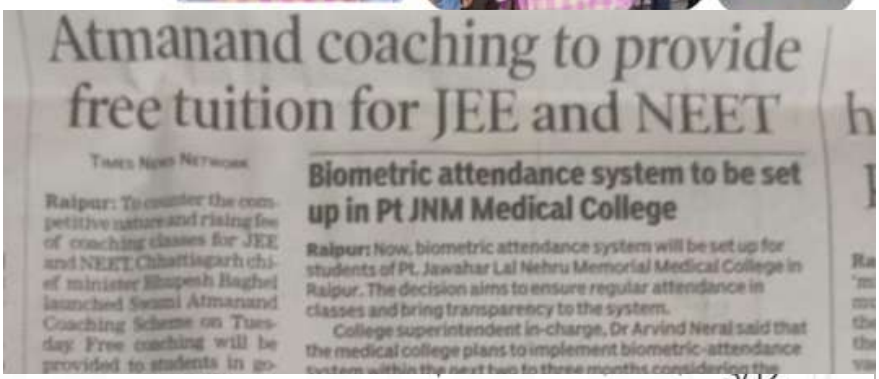

Atmanand coaching to provide free tuition for JEE and NEET

Biometric attendance system to be set up in Pt JNM Medical College

Raipur: Now, biometric attendance system will be set up for students of Pt. Jawahar Lal Nehru Memorial Medical College in Raipur. The decision aims to ensure regular attendance in classes and bring transparency to the system.

College superintendent in-charge, Dr Arvind Neral said that the medical college plans to implement biometric-attendance

3/12

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कसडोल में हुआ नीट और जेईई कोचिंग का शुभारंभ

दबंग रिपोर्टर » कसडोल

3 अक्टूबर को मुख्यमंत्री भूपेश बघेलद्वारा शिक्षा मंत्री रवींद्र चौबे की उपस्थिति में स्वामी आत्मानंद कसडोल में स्वामी आत्मानंद कोचिंग योजना की वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस योजना के अंतर्गत नगर पंचायत कसडोल के आसपास संचालित सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों के छात्र-छात्राएं अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एवम मुख्य नोडल अधिकारी ने बताया की छग शासन के आदेशानुसार कक्षा 12वी (विज्ञान,गणित) में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के लिए नीट और जेईई प्री परीक्षा में सफलता प्राप्त करने हेतु विशेष एवम निःशुल्क कोचिंग की शुरुवात की गई है। जिसमें जनपद पंचायत कसडोल के क्षेत्र अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में अध्ययनरत कक्षा 12वी के सभी छात्र छात्राओं को इसका लाभ मिल सके । जो छात्र आज बाहर जाकर रहकर महंगी फीस देकर कोचिंग करते है उससे मुक्ति मिल जायेंगे और गरीब छात्रों के लिए ये योजना किसी वरदान से कम नहीं है अतः जो छात्र/छात्राएं अपना कैरियर इस ओर पाना चाहते हैं अपना पंजीयन करा सकते हैं । सीमित सीट हेतु पहले आएं,पहले पाएं के क्रम में सीट भरी जाएगी एवम कक्षा 10 वीं में 60% अनिवार्य है। अभी तक लगभग 45 छात्र/छात्राओं ने अपना पंजीयन करा लिए हैं तथा क्लास अटेंड कर रहे हैं। इस योजना हेतु मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए पालकों से निवेदन किया गया कि इस योजना का लाभ उठाएं और सबको शुभकामनाएं दी गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य और मुख्य नोडल अधिकारी संतोष कुमार वर्मा,बी आर आर सी सी टी आर घृतलहरे, बी आर सी कैशियर पटेल, नोडल शिक्षक गजेंद्र साहू (गणित),सन्दीप नामदेव(भौतिकी), केशर पटेल (रसायन), दीपिका सोलंकी (विज्ञान)ने प्रमुख भूमिका निभाई।

मध्यान्ह भोजन में अतिरिक्त पोषण आहार के रूप में सात जिलों के स्कूली बच्चों को मिलेगा अण्डा

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना

प्रदेश के सात जिलों - बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, सूरजपुर, नारायणपुर और कोण्डागांव में संचालित सभी स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना मध्यांह भोजन के तहत अतिरिक्त पोषण आहार के रूप में अण्डा दिया जाएगा। अण्डा वितरण करने के प्रस्ताव पर प्रशासकीय अनुमोदन कर आवश्यक कार्यवाही के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ एमओयू पर हाल ही में हस्ताक्षर किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इन जिलों में संचालित समस्त स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना मध्यान्ह भोजन से लाभान्वित सभी छात्र-छात्राओं को प्रत्येक शाला दिवस में मध्यान्ह भोजन में अण्डा प्रदाय किया जाएगा। अण्डा प्रदान करने की प्रक्रिया और इसके लेखा संधारण के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे। मध्यान्ह भोजन के साथ ही अण्डा वितरण शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में सभी 7 जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिले के जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जिले में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना संचालित स्कूलों में 30 सितम्बर 2023 की स्थिति में दर्ज संख्या की अद्यतन जानकारी की प्रविष्टि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज कर ली जाए।

राज्य स्तरीय कला उत्सव

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित एवं समग्र शिक्षा द्वारा आयोजित कला उत्सव 2023 के अंतर्गत दिनांक 18 10 2023 से 21 अगस्त 2023 तक प्रो जे,एन पांडे शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उ, माध्यमिक विद्यालय रायपुर के सभागार में चार दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव के प्रतियोगिता आयोजित किया गया,

दिनांक 18 10 2023 प्रथम दिवस संगीत गायन पारंपरिक एवं शास्त्रीय गायन में 22 जिलों से 29 बालक एवं 35 बालिका दिनांक 19 10 2023 द्वितीय दिवस संगीत वादन जिसमें 18 जिलों से 29 बालक एवं 13 बालिका दिनांक 20,10 ,23तृतीय दिवस में 22 जिलों से 26 बालक एवं 38 बालिकाओं दिनांक 21 10 2023 चतुर्थ चतुर्थ दिवस में 22 जिलों से 61 बालक 65 बालिकाओं ने राज्य स्तरीय कला उत्सव में कला उत्सव प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के पश्चात प्रत्येक वर्ग से 10 बालक एवं 10 बालिकाओं का चयन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले कला उत्सव प्रतियोगिता हेतु राज्य की ओर से किया जाएगा।

जिसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना उसे पोषित करना प्रस्तुत करना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना भारत सरकार एवं साक्षरता इसको शिक्षा मंत्रालय के द्वारा विगत 2015 से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है

स्कूली शिक्षा में संग्रहालय की भूमिका पर राष्ट्रीय कार्यशाला

छत्तीसगढ़ के 8 शिक्षको ने किया राज्य का प्रतिनिधित्व

भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के अंतर्गत सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "रोल ऑफ म्यूजियम इन स्कूल एजुकेशन" विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य के अलग अलग जिलों से 8 शिक्षकों का चयन किया गया, जिसमे से रायपुर जिले के धरसीवा विकासखंड से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खदान क्षेत्र, मठपुरैना से अब्दुल आसिफ खान ने प्रतिनिधित्व किया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में देश के कुल 19 राज्यों के 120 शिक्षक शामिल हुए। इनमें छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले से अब्दुल आसिफ खान के साथ कबीरधाम से प्रियंका बाजपेयी, कोरबा जिले से नरेन्द्र चंद्रा व राकेश कुमार कौशिक, मानपुर मोहला से रश्मि सोनी, बलरामपुर से प्रियंका तिवारी और बेमेतरा से प्रतिभा साहू और दुर्ग से कुलदीप वर्मा का चयन किया गया था इस कार्यशाला में संग्रहालय की स्थापना, महत्व, रखरखाव, उसका इतिहास, शिक्षा में उसकी उपयोगिता, विद्यालय में सांस्कृतिक क्लब की स्थापना, स्कूल में म्यूजियम कार्नर निर्माण का बारीकी से अध्ययन किया। सभी प्रतिभागियों को सालार जंग म्यूजियम, स्टेट आर्किओलॉजिकल म्यूजियम, शिल्पग्राम के आर्ट, क्राफ्ट व कल्चर को दिखाया गया। सांस्कृतिक स्रोत व प्रशिक्षण केंद्र माधापुर, हाई टेक सिटी हैदराबाद के कार्यशाला में इतिहासविद, पुरातत्वविद, पूर्व प्रोफेसर और एससीईआरटी आंध्रप्रदेश के पूर्व डायरेक्टर डॉ. एन उपेंद्र रेड्डी, सीसीआरटी हैदराबाद के सलाहकार श्री वाय. चंद्रशेखर और फील्ड ऑफिसर व प्रसिद्ध भरत नाट्यम नृत्यांगना श्रीमती सौंदर्या कौशि द्वारा सफलता पूर्ण प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र और प्रशिक्षण किट प्रदान किया गया। सभी शिक्षकों ने राज्य की संस्कृति, सभ्यता और समरसता को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ और जिले का प्रतिनिधित्व किया।

नवाचारी शिक्षक जगजीवन कैवर्त्य

कोरोना वायरस के खतरे के कारण विद्यालय में पढ़ाई लगभग पूरी तरह प्रभावित थी, लेकिन कुछ शिक्षको की सक्षमता एवम तत्परता ने विद्यार्थियों को पढ़ाई से जोड़े रखा. इसी कड़ी में नाम आता है नवाचारी शिक्षक जगजीवन राम कैवर्त्य का, जो शास. पू. मा. शाला बरपाली, वि. ख. करतला, जिला कोरबा में पदस्थ हैं, जिन्होंने वैश्विक महामारी कोरोना काल में कई नवाचारों व्दारा बच्चो की पढ़ाई जारी रखी. उनके कुछ नवाचार नीचे दिये गये हैं -

वीडियो द्वारा शिक्षण - कोरोना काल की शुरुआत में जब अचानक स्कूल को बंद करना पड़ा, तब बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखना बहुत बड़ी चुनौती थी. जहां चाह वहां राह की कहावत को चरित्रार्थ करते हुए शिक्षक जगजीवन राम कैवर्त्य ने पालकों के मोबाइल नंबर एकत्र कर वाट्ससप ग्रुप का निर्माण किया और इंग्लिश और गणित विषय के छोटे-छोटे वीडियो बनाकर ग्रुप में भेजकर बच्चो को पढ़ाई से जोड़े रखा.

ऑनलाइन क्लास का आयोजन - शासन के व्दारा जब पढ़ाई तुंहर दुवार योजना प्रारंभ की गयी, तो उसमे भी वेबेक्स के माध्यम से ऑनलाइन क्लास का आयोजन कर बच्चो को पढ़ाते रहे. जिन बच्चो के पास स्मार्ट फोन नही था, उनके लिए मिस्ड कॉल गुरुजी कार्यक्रम चलाया, जिसके व्दारा बच्चे कोई टॉपिक समझ नही आने पर मिस्ड कॉल करके शिक्षक से पूछते रहे.

मोहल्ला क्लास का संचालन - गांव में जब कोरोना की स्थिति सामान्य हुई, तो मोहल्ला क्लास का भी संचालन किया गया. बच्चो को विभिन्न TLM की सहायता से गणित व अंग्रेजी विषय को बहुत सरल तरीके से सिखाने का प्रयास किया गया.

योग क्लास का आयोजन - कोरोना काल में रोग प्रतिरोधक क्षमता व इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए ऑनलाइन योगा क्लास 'आओ मिलकर योग करें' का संचालन किया, जिनसे स्कूल के बच्चो के साथ साथ पूरे राज्य के बच्चे एवं शिक्षक जुड़कर योगाभ्यास एवम प्राणायाम करते थे.

सीजी पोर्टल में नायक के रूप में चयन - शिक्षक जगजीवन राम कैवर्त्य व्दारा अच्छे-अच्छे वीडियो निर्माण कर सीजी स्कूल के पोर्टल में अपलोड करने में भी अपनी सहभागिता निभाई है, जिसके लिए पढ़ाई तुंहर दुवार के पोर्टल में हमारे नायक के रूप में स्थान प्राप्त हुआ था.

टी.एल.एम. व्दारा शिक्षण - हम जानते हैं कि सहायक शिक्षण सामग्री के माध्यम से शिक्षण को रोचक बनाया जा सकता है. जगजीवन कैवर्त्य व्दारा गणित एवं अंग्रेजी के 150 से 200 टी.एल.एम. का निर्माण कर उसका प्रयोग कर बच्चो को शिक्षण कार्य कराया जा रहा है.

मीरा रजक के प्रयासों से झिंगटपुर पूर्व माध्यमिक शाला के बच्चे हो रहे हुनरमंद

श्रीमती मीरा रजक ने बच्चों को सिलाई-कढ़ाई, बुनाई, दोना-पत्तल, पैरदान और मेहंदी बनाने सहित कंप्यूटर बेसिक शिक्षा देना प्रारंभ किया. इससे पढ़ाई के बाद बच्चे खुद का रोज़गार शुरू कर सकेंगे, और बेहतर तरीके से अपने और परिवार का भरण-पोषण कर सकेंगे. कोरोना काल के दौरान स्कूल बंद होने के बाद बच्चों को आनलाइन पढ़ाई व मोहल्ला क्लास से जोड़ा गया. इस दौरान मीरा रजक उन्हें रोजगार मूलक प्रशिक्षण भी देने लगीं. बच्चों ने खूब मन लगाकर सीखा. परिणाम बेहतर मिलने पर रोजगारमूलक शिक्षा को नियमित बनाये रखने से वर्तमान में बच्चे अब चार प्रकार के फ्राक, पांच प्रकार का सलवार सूट, पांच प्रकार के ब्लॉउज़, पीकू फाल लगाना सहित कढ़ाई का कार्य सीख चुके हैं. ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान संस्था की नवमी से बारहवी कक्षा तक में पढने वाली 35 छात्राओं ने शाला आकर सीखा. इसी कड़ी में संस्था की कक्षा सातवी और आठवी पढ़ने वाले 25 छात्राओं ने उक्त कला को सीखज़. सिलाई-कढ़ाई, बुनाई कला को सीखने में छात्रों की भूमिका भी सराहनीय है. स्कूल में बच्चों को अलग से कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने के लिये शिक्षा सत्र 2022 में विकास खंड शिक्षा अधिकारी विजय टांडे व्दारा उद्घाटन किया गया था, जिसका लाभ बच्चों को मिल रहा है. शासन के आदेशानुसार हर शनिवार को बेगलेस डे के दौरान बच्चे कम्प्यूटर सीखते हैं.

शिक्षिका मीरा रजक स्कूल के बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ अनुपयोगी सामग्रियों से अलग-अलग खिलौने बनाने संबंधी गतिविधियों से भी उन्हें जोड़ रही हैं. वे रोजगार मूलक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये बच्चों को दोना पत्तल, मृदा कला, बांस कला, पेपर क्राफ्ट, कास्ट कला, सुई धागे से कलाकृति बनाना सिखा रही हैं. वेस्ट मटेरियल से कई तरह के खिलौने का निर्माण कर उसका उपयोग बच्चों की पढ़ाई में भी किया जा रहा है. विद्यालय ने विभिन्न तरह के एफ.एल.एन. आधारित टी.एल.एम. का संकुल एवं खंड स्तरीय कबाड़ से जुगाड़ मेला में प्रथम स्थान हासिल कर जिला स्तरीय कबाड़ से जुगाड़ मेला में दुसरे स्थान प्राप्त किया. रोजगार मूलक शिक्षा को बेहतर ढंग से बच्चों तक पहुँचाने में विशेष भूमिका निभाने हेतु मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण, ज्ञानदीप से उन्हें सम्मानित किया गया है. पढाई तुंहर दुवार 2.0 के तहत शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के फलस्वरूप जिला पंचायत अध्यक्ष व्दारा सम्मानित किया गया. राष्ट्रीय शिक्षा समागम में शिक्षा मंत्री ने मीरा रजक की प्रशंसा की. इसमें मीरा रजक ने बच्चों व्दारा धागे से बनाई गई कलाकृतियो की प्रदर्शनी लगाई थी. बच्चों को मिलने वाले निःशुल्क गणवेश को बच्चे ज्यादा समय तक उपयोग कर सकें, इस उद्देश्य से झिंगटपुर पूर्व माध्यमिक शाला में, शिक्षिका श्रीमती मीरा रजक ने वितरण से पूर्व दोबारा सिलाई कर वितरण करने का निर्णय लिया. इसके लिये सिलाई कार्य सीख चुके बच्चे उत्साह के साथ सहयोग करने लगे हैं. यहः कार्य बस्ताविहिन दिवस में या आवश्यकतानुसार शाला समय के दीर्घकालिक अवकाश अवधि में किया जाता है.

अर्चना शर्मा के बड़े काम

श्रीमती अर्चना शर्मा 24 जून सन 2005 से शिक्षा के कार्य में संलग्न हैं. खिसोरा और मुड़पार जैसे ग्रामों में नागरिकों में आर्थिक कमजोरी के कारण पलायन की प्रवृत्ति देखी जाती है जिसे अर्चना जी ने अपने लिये मुख्य चुनौती माना. यहां के लोग खेती के तुरंत बाद अपने परिवार के पालन पोषण हेतु किसी दूसरे शहर में सपरिवार चले जाते थे. कुछ ऐसे भी छात्र थे जो अपने माता-पिता के साथ न जाकर दादा-दादी के पास रह जाते थे, किंतु वे भी भय के कारण विद्यालय नहीं आते थे. उनका संबंध विद्यालय से टूट सा रहा था, जिससे एक ही स्तर के छात्रों के बीच समझ की खाई बन रही थी. अंग्रेजी भाषा बच्चों के परिवेश की भाषा न होने के कारण उनके उसे पढ़ पाना, समझ पाना और लिख पाना संभव नहीं था. यह असमर्थता भी उन्हें विद्यालय से दूर ले जा रही थी. इस समस्या का समाधान भी शिक्षक को ही करना था. इन सभी समस्याओं के समाधान हेतु सबसे पहले अर्चना जी ने शिक्षा की मुख्यधारा से बच्चों को जोड़ने के लिए घर-घर जाकर अभिभावकों से भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया. उन्होने छात्रों को उनकी जरूरत की सामग्री जैसे, टाई, बेल्ट, जूता, मोजा, स्वेटर, कॉपियां व लेखन सामग्री उपलब्ध कराना प्रारंभ किया. समय-समय पर उन्हें कुछ गैर सरकारी संस्थाओं, जैसे अमेरिका से सत्यमेव फाउंडेशन व मारवाड़ी युव माहिला मंच ने भी सहयोग प्रदान किया.

शाला में छात्र भयमुक्त होकर आएं और मनोरंजक वातावरण में सभी शिक्षण अधिगम को सरलता पूर्वक प्राप्त कर सकें, इसके लिये उन्होने टी.एल.एम. निर्माण, विषयवस्तु संबंधित गीतों का सृजन, खेल गतिविधियों का आयोजन ,बेस्ट मां पुरस्कार देना, महापुरुषों की जयंती के आयोजन, वर्कशीट का निर्माण, मासिक प्रोत्साहन कार्यक्रम, अभिभावकों का सम्मेलन आदि किया. इससे न केवल छात्र प्रति दिवस नियमित शाला आने लगे, अपितु खेल-खेल में सीख कर सरलतापूर्वक सभी दक्षताओं और कौशलों को प्राप्त करने लगे. माताओं और अभिभावकों का संपर्क अनवरत विद्यालयों से बढ़ रहा है. अब वे स्कूल की सभी गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं. अब अर्चना जी के विद्यालय में निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले व अन्य ग्राम के छात्र भी आकर्षित हो रहे हैं. साथ ही ऐसे छात्रों का दाखिला भी विद्यालय में कराया गया है जो 8 वर्ष की आयु तक किसी भी विद्यालय में नहीं गए थे. इस तरह उनके विद्यालय की दर्ज संख्या लगातार बढ़ रही है. अर्चना जी का कहना है कि उन्होने खुद से इस बात का वादा किया है कि चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी हो, वे अपने पथ पर अविचल डटी रहेंगी.

कोरोनावीर जगजीवन प्रसाद जांगड़े

कोरोना काल के दौरान जब पूरे देश और दुनिया भर में शिक्षण संस्थान बंद हो गए थे तब पढ़ाई जारी रखने के लिये छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग व्दारा पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम संचालित किया गया था, जिससे बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़े रखा जा सके. जगजीवन जी ने इस कार्यक्रम में महती भूमिका निभाई और निम्नलिखित कार्य किये -

ऑनलाइन क्लास का संचालन - 26 जून 2020 से 17 फरवरी 2021 तक कुल 185 दिवस.

मोहल्ला क्लास का संचालन - 12 शिक्षा सारथियों व 2 शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ मिलकर, 10 अगस्त 2020 से 9 अप्रैल 2021 तक लगातार 9 जगहों मोहल्ला क्लास संचालित किये.

बुलटू के बोल - बुलटू के बोल के माध्यम से आडियो/वीडियो व्दारा पढ़ाया.

आगमेंटेड रियल्टी - स्मार्ट शाला के तहत आगमेंटेड रियल्टी शो मोबाइल के व्दारा बच्चों को विभिन्न जीव जंतुओं सजीव चित्रण के बारे में बताया व दिखाया गया.

स्टोरीविवर - स्टोरीविवर के तहत 43 कहानियों का हिंदी/अंग्रेजी/छत्तीसगढ़ी में अनुवाद किया गया और उसके साथ ही साथ बच्चों को कहानी पढ़ने व बनाने हेतु प्रेरित किया.

खिलौना निर्माण - खिलौना निर्माण कर बच्चों में अपनी परंपरा गत बर्तनों, औजारो, कृषि सामानों आदि से परिचय कराते हुए मिट्टी/लकड़ी/कागज आदि से खिलौना बनाना सिखाया

प्रिंट रिच वातावरण निर्माण - गाँव के चौक चौराहे पर घर के दीवारों पर, रंगमंच, शाला भवन, सामुदायिक भवन आदि स्थानों पर पाठ्यक्रम पर आधारित विभिन्न अवधारणाओं को स्पष्ट करते हुए गणितीय संक्रियाओं, ज्यामितीय आकृतियां, शब्द निर्माण, कविता, कहानी, पहाड़ा निर्माण, गिनती, फल, सब्जी, फूल, रंग, पकवानों के नाम, सामान्य ज्ञान, जन जागृति स्लोगन, कोरोना संक्रमण से बचाव संबंधी नारे आदि का लेखन कार्य किया गया है जिससे राह चलते बच्चे/साक्षर/खेल-खेल में पढ़ लिख सकें.

TLM निर्माण - बच्चों के सीखने सिखाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए मॉडल/चार्ट/ड्राइंग शीट आदि के उपयोग कर सहायक सामग्री का निर्माण किया गया, जिसमें इकाई, दहाई, सैकड़ा की समझ, स्थानीय मान, शब्द खिड़की, संख्या खिड़की, संक्रिया चक्र, सोलर कुकर, स्टेथोस्कोप, कैलिडिस्कोप, वर्षा मापी यंत्र,

कंप्यूटर, पवनचक्की जैसे मॉडलों के उपयोग कर शिक्षण को सरल बनाने का प्रयास किया.

अभ्यास पुस्तिका का उपयोग - निखार योजना के तहत प्रदत्त विभिन्न ज्ञानवर्धक और रोचक जानकारी, गतिविधियों सहित बच्चों के अधिगम स्तर अनुसार दक्षता लाने में कामयाब हुए हैं.

नवाचारी प्रयास - घर घर क्लास में माताओ के व्दारा घरो में कक्षा लगाना व पढ़ाना. इससे 95% बच्चे पुस्तकवाचन व लेखन में दक्षता हासिल कर चुके हैं.

प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करवाना - प्रत्येक वर्ष बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा हेतु तैयारी करवाया जाता है. इस वर्ष 20 बच्चो को तैयारी करवा रहे है.

बैगलेस डे - शनिवार बैगलेस डे पर टी शर्ट, लोवर, तीन रंगो में एसएमसी व पालक अधिकारी सहयोग व सहमति से लागू करवाया.

नवाचारी गतिविधियों से शिक्षा देती नंदिनी राजपूत

श्रीमती नंदिनी राजपूत, प्राथमिक शाला नानपुलाली, संकुल - केराझरिया, विकासखंड - पाली, जिला - कोरबा में सहायक शिक्षक एल.बी. के रूप में पदस्थ हैं। इनके व्दारा बच्चों को नवाचारी तरीके से शिक्षा दी जा रही है जिसके माध्यम से बच्चे आसानी से सीखते हैं. नंदिनी ने कबाड़ से जुगाड़ करके 70 से भी अधिक टी.एल.एम बनाए गए हैं, जिसका उपयोग सहयाक शिक्षा सामग्री के रूप में किया जाता है. इसके अतिरिक्त खेलकूद, गतिविधियों, आगमेंटेड रियलिटी एप एवं मोबाईल के माध्यम से भी वे बच्चों को शिक्षा देती हैं. वे प्रत्येक त्योहार आदि के अवसर पर स्कूल में बच्चों का कार्यक्रम कराती हैं. प्रत्येक गतिविधि में बच्चे बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं. स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के प्रथम दिवस, स्वच्छता शपथ दिवस मनाया गया, जिसमें सभी शिक्षकों और बच्चों ने मिलकर स्कूल, गांव, मोहल्ला को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया. शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, रसोईया, सफाईकर्मी, शिक्षक व बच्चों ने मिलकर शाला प्रांगण की सफाई. गांव में प्लास्टिक का बहिष्कार करने की रैली निकाली गई. हाथ धुलाई दिवस कार्यक्रम में नंदिनी राजपूत ने हाथ धुलाई के 6 स्टेप करके दिखाये. कोरोना-काल में नंदिनी लगातार ऑनलाइन कक्षाएं व मोहल्ला क्लास लेती थीं. शिक्षाप्रद वीडियो बच्चों के मोबाइल में भेजे. ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी नंदिनी हिंदी, गणित, पर्यावरण, अंग्रेजी आदि विषयों के वीडियो बनाकर लगातार बच्चों को व्हाट्सएप पर भेजती रहीं. वर्ष 2018 से वे लगातार बच्चों को टाई, बेल्ट, स्टेशनरी सामान, जैसे, स्लेट, रबड़, पेंसिल, पेन, कॉपी आदि नि:शुल्क वितरित कर रही हैं.

गरीब असहाय लोगो को वस्त्र और रूपए देकर भी मदद करती हैं. नंदिनी ने कोरोना काल में हमर गांव हमर स्कूल योजना चलाकर, 180 संकुलों में शाला प्रबंध समिति को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया. मास्टर ट्रेनर के रूप में विकासखंड स्तर पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण दिया और संकुल स्तर पर भी 4 चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया. पढ़ई तुंहर दुवार में उन्हें हमारे नायक के रूप में दिनांक 17.8.2021 को स्थान प्राप्त हुआ. नंदिनी के नवाचार के नाम से एक पुस्तक भी प्रकाशित हुई है जो पर नि:शुल्क डाउनलोक के लिये उपलब्ध है. नंदिनी ने राज्य के गणित पीएलसी समूह के साथ मिलकर गणित को आसानी से सिखाने के लिए एक बहुत अच्छी गतिविधि पुस्तिका तैयार करने में सहभागिता निभाई है. कक्षा 2, 3 एवं 4 के हिंदी विषय की शिक्षक संदर्शिका में लेखक के रूप में इन्हें स्थान प्राप्त हुआ है. राज्य परियोजना कार्यालय व्दारा निर्मित खिलौना में भी इनके कार्य को स्थान प्राप्त हुआ है. Chaklit app मे इनके गतिविधि वीडियो को स्थान प्राप्त हो चुका है. नया आयाम पत्रिका में भी नंदिनी के कार्य को स्थान प्राप्त है. राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा रायपुर के टीवी चर्चा पत्र माह जुलाई 2022 में इनके कार्य को स्थान मिला है.

सफलता की कहानी

नाम - श्रीमती सावित्री सेन
पदनाम - सहायक शिक्षक
जिला - बिलासपुर

जैसे ही कोरोना की समाप्ति के बाद शाला लगना प्रारम्भ हुआ तब फिर से माताओं का जुड़ाव कम होते दिखाई देने लगा तब हमे लगा नही ये हमारे बच्चों के लिए नुकसान दायक होगा। तब हमने माताओं को जोड़कर रखने के लिए माताओं के लिए ही नि : शुल्क सिलाई क्लास का शुभारंभ किया ताकि किसी न किसी बहाने से माताओं से हमारी मुलाकात होती रहे और सिलाई के बहाने ही हम माताओं से मिलकर उनके बच्चों के लिए बात करे । हमारे गाँव की माताओं के सिलाई क्लास का पहला बैच समाप्त होकर दूसरा बैच चल रहा है। जितनी भी योजनाएं बच्चों, माताओं के लिए आती उसे हम सिलाई क्लास मे ही जाकर चर्चा करते और माताओं के समक्ष रखते FLN, निपुण भारत मिशन, NEP, छात्रवृत्ति, पेंशन योजना, विधवा पेंशन, राशन कार्ड आदि के बारे मे हम माताओं से चर्चा कर जानकारी देते रहे लगातार उनसे सिलाई क्लास मे मुलाकात होती रही । कुछ बातो को हमने उनकी ही भाषा मे गाकर भी साझा किया है जैसे FLN की समझ हेतु भरथरी और पंडवानी के तर्ज पर उन्हे सुनाया कि हमे क्या, कब और कैसे करना है । उनका साथ पाने के लिए हमने उनके साथ समय समय पर तीज त्योहार भी मनाया आज की स्थिति ऐसी है कि माताएं स्वयं अपने बच्चों के विषय मे जानने हेतु शाला मे आती है उनसे बात कर उनकी समस्या हम तक रखती है किसी बात की जानकारी के लिए शाला मे आती है हमे बुलाने की भी जरूरत नही होती जो भी जानकारी चाहिए वो शाला मे आकर लेती है, साथ ही सन्तुष्ट होकर जाती है। हर बैठक मे शामिल हो रही है और हर कार्य मे माताओं का साथ मिल रहा है।

नाम - श्रीमती निशा अवस्थी
पदनाम - प्रधान पाठिका
जिला - बिलासपुर

प्रधानपाठिका निशा अवस्थी अंगना में शिक्षा कार्यक्रम में माताओ, किशोर बच्चे, आंगनबाड़ी के बच्चे से लेकर अपने स्कूल के बच्चे, शाला त्यागी बच्चों, को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ा। बस्तविहीन शनिवार को पूर्व व्यावसायिक शिक्षा के तहत् बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु डोरमेट ,लिफाफा, राखी बनाना सिखाया गया, बच्चों को राखी, डांडिया सजाना, राधा कृष्ण वेशभूषा, मटकी फोड़ो, वृक्षों को राखी बांधकर वृक्षाबंधन मानना, नारियल सजाओ, पत्तियों से आकृति बनाना सिखाया गया वीरगाथा 3.0, बैच बनाना, मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा में सभी शनिवार को माक डिल करके बच्चों को सुरक्षित रहना सिखाया जाता है इनके कार्यों के लिए मुख्यमंत्री गौरव शिक्षा अलंकरण शिक्षा दूत से सम्मानित किया गया और वर्तमान समय में जादुई पिटारा, स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम, मेरी माटी मेरा देश, गणेश उत्सव के समय निपुण भारत की शपथ दिलाना छत्तीसगढ़ी बोली में यूथ एवं इको क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम, नशा मुक्ति के लिए कार्यक्रम, बालिका शिक्षा हेतु विशेष अभियान चलाया गया। वर्तमान समय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली, रंगोली, शाला प्रबंध समिति के महिलाओं के हाथों में मेहंदी से स्वीप लिखकर शत् प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। ग्रीष्म अवकाश में समर कैंप का आयोजन किया गया। G-20 सम्मेलन में एफ एल एन प्रदर्शनी हेतु जाने का गौरव प्राप्त हुआ जहां सभी राज्यों के शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को देखने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

सफलता की कहानी

नाम - विवेकानंद दिल्लीवार
पदनाम - शिक्षक
जिला - बेमेतरा

श्री विवेकानंद दिल्ली वार कोरोना काल मे भी बच्चों के भविष्य को देखते हुए। उन्हें शिक्षा से दूर नहीं रखा बल्कि अपने नए-नए नवाचारों से बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई से जोड़ के रखा है। मोहल्ला कक्षा-इन्होंने जनप्रतिनिधियों से संपर्क करके मोहल्ला कक्षाओं का संचालन किया। ऑनलाइन ऑफलाइन से बच्चों को पढ़ाया मास्क का वितरण-कोरोना काल मे स्कूल के समस्त बच्चों को ग्राम सरपंच के द्वारा बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से मोहल्ला कक्षा मे मास्क का वितरण भी कराया गया। टीएलएम तकनीक- बच्चों को गणित विषय को और सरल रोचक तरीके से समझने के लिए उपयोग, किया जा रहा है। कबाड़ से जुगाड़ - वेस्ट मटेरियल को बेस्ट मटेरियल में बदलने की कला कोई इनसे सीखे पालीथिन पेपर, पेंट के डिब्बे से वायुदाब के कई प्रयोग दिखा कर बच्चों को आनन्ददायी शिक्षा इनके द्वारा दिया जा रहा हैं शिक्षा गोद- 2 बच्चों को शिक्षा गोद लेकर कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई का खर्च वहन किया जा रहा है पर्यावरण के प्रति बच्चों को जागरूक बनाना- दूध के पॉलिथीन में पौधा तैयार कर अपने संकुल के आसपास के स्कूलो में वितरण किया गया। राष्ट्रीय बाल विज्ञान हेतु बच्चों को प्रोत्साहित-जादुई प्रयोग दिखा कर विज्ञान विषय के प्रति बच्चों में लगाव पैदा कर मनोरंजनात्मक तरीके से अध्यापन का कार्य किया जा रहा हैं। गांव के अपचारी बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने एवम सवलम्बी बनाने बच्चों को घरेलू वायरिंग करना,पंखा वाइंडिंग करने का कार्य भी सिखाया जाता हैं। बचत बैंक का संचालन- बैंक के क्रियाकलापो को प्रायोगिक रूप से समझाने के लिये कभी बच्चों को बैंक मैनेजर, कैशियर, बनाते हुये नौनिहाल बैंक का सन्चालन किया जा रहा है। व्यसायिक शिक्षा- शिक्षक द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश पर बच्चों को पापड़, झाड़ू, एवं एलईडी बल्ब निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाता है

नाम - श्रीमती सपना एक्का
पदनाम -शिक्षक
जिला - रायगढ़

"असंभव से संभव के बीच की दूरी"

बच्चों में भाषाई कौशल का विकास मैंने सबसे पहले शुरुआत में बच्चों के साथ बात करने में जो कठिनाई महसूस की बच्चे बात करने में झिझकते थे इसे दूर करने के लिए कबाड़ से जुगाड़ टी एल एम गुड़िया निर्माण कर गुड़िया के माध्यम से बच्चों से बात करना शुरू किया, जिससे बच्चे बड़ी उत्सुकता एवं रोचकता के साथ में मुझसे बात करना शुरू करने लगे, उसके पश्चात मैंने बच्चों को भी गुड़िया देकर कहा कि आप इसके बारे में बताओ तो उन्होंने अपनी अपनी गुड़िया के बारे में बताया, इसी प्रकार बच्चों में भाषा ही कौशल का विकास होने लगा दूसरे चरण में बच्चे स्वयं से अपनी-अपनी बनाई हुई गुड़िया लेकर और उसके बारे में बताने लगे तीसरे चरण में बच्चों में अपने बारे में एवं अपने आसपास के बारे में बताना शुरू कर दिया इस प्रकार बच्चों में भाषाई कौशल का विकास होने लगा इस प्रकार से कबाड़ से जुगाड़ कर मैं बहुत से टीएम का निर्माण किया मैंने बच्चों की पढ़ाई को रोचक बनाया और इस प्रक्रिया का वीडियो विद्या अमृत महोत्सव के तहत दीक्षा ऐप पर अपलोड किया और राज्य स्तरीय पर टॉप 15 से टॉप 3 में चयनित हुई मैं कबाड़ से जुगाड़ तथा अंगना में शिक्षा एवं बालवाड़ी की नोडल भी नोडल हूं। एवं विकासखंड स्तर, जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर सम्मानित भी हुई हूं,।

शिक्षिका का कमाल • पहले 50 से 60 फीसदी बच्चे ही स्कूल जाते थे, अब सीख रहे कबाड़ से जुगाड़ बनाना इसलिए उपस्थिति शत प्रतिशत

पढ़ाई के लिए जगाई ऐसी रुचि कि अब बच्चे रोज आते हैं स्कूल

संडे पॉजिटिव

भास्कर न्यूज | कांकेर

ग्राम लखनमटवाड़ा के पटेलपारा प्राथमिक शाला में छात्र नियमित स्कूल नहीं आते थे। डेढ़ साल पहले यहां प्रधानाध्यापक के रूप में पूर्णिमा गेड़ाम की नियुक्ति हुई। उन्होंने बच्चों में शिक्षा तथा स्कूलिंग के प्रति रुचि जगाने कबाड़ के जुगाड़ से विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक सामग्री बनाना सिखाना शुरू किया। इसके जरिए बच्चों को अंक और अक्षर ज्ञान दिया जाने लगा। यह इतना कारगर रहा की अब यहां रोजाना बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति रहती है। वहीं पालक भी अपने बच्चों की गतिविधियां देखने पहुंचने लगे है। डेढ़ साल में यहां के बच्चे इतने पारंगत हो गए है कि ब्लॉक तथा जिला स्तरीय कबाड़ के जुगाड़ से शैक्षणिक सामग्री प्रदर्शनी में प्रथम स्थान हासिल किया।

शिक्षिका पूर्णिमा गेड़ाम बच्चों से घर का कबाड़ या अनुपयोगी सामान स्कूल लाने को कहती है। वह खुद भी घर से अनुपयोगी सामान लाती है। इससे कई प्रकार की चीजें बनती है और बच्चों को भी सिखाती है। एक टूटी छतरी को जोड़ 100 तक गिनती लिखी गई। कबाड़ से पक्षी बनाया। बच्चे भी ऐसी चीजें बनाना जल्दी सीख रहे है। इसी नवाचार के लिए पूर्णिमा गेड़ाम को 5 सितंबर 2023 को शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षा दूत पुरस्कार मिला।

कांकेर। कबाड़ से बच्चों को सामग्री बनाना सिखाती पूर्णिमा गावड़े।

शिक्षिका ने भी सीखा कबाड़ से सामग्री बनाना

कबाड़ के जुगाड़ से शैक्षणिक सामग्री की ब्लॉक तथा जिलास्तरीय प्रदर्शनी में बच्चों ने भाग लिया। दोनों में प्रथम स्थान मिला। 2022 में माकड़ीखूना से पूर्णिमा गेड़ाम प्रधानाध्यापक बनकर लखन माटवाड़ा के पटेलपारा स्कूल पहुंची है। उनकी पदस्थापना के बाद यहां बच्चों की शिक्षा में सुधार आने लगा। भास्कर से चर्चा में पूर्णिमा गेड़ाम ने कहा, उन्होंने एक शिविर में 4 साल पहले से कबाड़ के जुगाड़ से शिक्षा सामग्री बनाना सीखा था। यह बेहद रोचक लगी, जिसके बाद स्कूल में बच्चों को भी इससे जोड़ा।

बच्चों को पढ़ाने घर तक पहुंच जाती है: प्रधानाध्यापक पूर्णिमा गावड़े शाला समय के बाद बच्चों के घर पहुंच जाती है। पालकों को अपने बच्चों को पढ़ाने प्रेरित करती है। जो औसत बच्चे है उन्हें अलग से पढ़ाती है। पालकों को भी अपने बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाने का प्रयास करने कहती है।

पालक भी आने लगे हैं स्कूल: स्कूल में जब से बच्चों को कबाड़ से शैक्षणिक सामग्री बनाना सिखाना शुरू किया गया है, बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि जगी है। अब उनके पालक भी बीच-बीच में स्कूल पहुंच जाते है। अपने बच्चों के बारे जानकारी लेते है और पढ़ाने की विधि समझते है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने खोजा नया एस्ट्रायड

पांच वर्ष तक वैज्ञानिक करेंगे अध्ययन

मेरी माटी मेरा देश के तहत घर-घर जाकर किया मिट्टी व चावल संग्रहण

दुर्गापाली के छात्र-छात्राओं ने निकाली अमृत कलश

जलवायु परिवर्तन : केरल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए छात्र

राष्ट्रीय विद्यार्थी जलवायु समागम में नर्रा स्कूल के छात्र ने शोध पत्र प्रस्तुत किया

क्या है सूक्ष्म वन

विज्ञान क्लब ने मनाई डॉ कलाम की जयंती

जगदलपुर। शाउमावि बड़े मुरमा के एपीजे अब्दुल विज्ञान क्लब टीम ने देश के महान वैज्ञानिक, पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न एवं मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम का जन्मदिन बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। मैं हूं कलाम एवं इसरो की विकास यात्रा की थीम पर कलाम जी जयंती मना उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने डॉ कलाम के जीवन से संबंधित अपने विचार रखे तथा कलाम के विचारों को चार्ट के रूप में प्रदर्शित करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। मैं हूं कलाम थीम के अंतर्गत स्कूली बच्चे डॉ कलाम का मुखौटा पहनकर आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इसरो की विकास यात्रा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की स्थापना 1969 से लेकर वर्तमान समय आदित्य तथा मिशन गगनयान के बारे में बच्चों जानकारियां साझा की गईं। कार्यक्रम का संचालन मनीष अहीर के द्वारा किया गया। इस दौरान शिक्षक के कांत

बस्तर के बच्चे पर्वतारोहण कैम्प में हुए शामिल

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

स्वामी आत्मानंद शाउमावि करीतगांव एवं पाटलोहंगा के विद्यार्थी राष्ट्रीय एडवेंचर इंस्टिट्यूट हरियाणा में आपदा प्रबंधन और पर्वतारोहण के प्रशिक्षण में शामिल हुए। छत्तीसगढ़ राज्य की टीम के साथ बस्तर के बच्चों ने ट्रैकिंग कर नई दिल्ली, मथुरा और वृंदावन की भीड़ वाले स्थान पर आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग ली। साथ ही किसी भी स्थिति में निपटने के लिए विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण लिया। बस्तर के 10 सदस्य दल को प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस उपलब्धि के लिए करीतगांव स्काउट प्रभारी रियाज अली एवं

आत्मानंद विद्यालय में अंतरिक्ष ज्ञान की दी गई जानकारी

नवभारत ब्यूरो। बैकुण्ठपुर।

गत दिवस स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल महलपारा में आईडीवाईएम के क्रांतिकारी अभियान अंतर्गत अंतरिक्ष ज्ञान विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों में सेटेलाइट, रॉकेट डेमो मॉडल चंद्रयान मिशन के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंतरिक्ष ज्ञान अभियान के मोबाइल वैन को जिला शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आईडीवाईएम संस्था के संस्थापक ई. रविशंकर कुमार निदेशक मानवीय, संस्था के अध्यक्ष रमेश मिश्रा ने छात्र छात्राओं को इस संबंध में

प्राचार्य अभय शर्मा सहित विद्यालयीन

बैठक : नवाचारी गतिविधियों में बेस्ट प्रैक्टिसेस को प्रोत्साहन देने चर्चा

सीखने-सिखाने में क्रिएटिविटी लाने व काम को स्मार्ट तरीके से करने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ›› छटावली

विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक में नवाचारी गतिविधियों में वृद्धि एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस को प्रोत्साहन देने के लिए समस्त संकुलों से चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं की विकासखंड स्तरीय आवश्यक बैठक बीईओ प्रकाशचन्द्र मांझी एवं बीआरसीसी सतीश स्वरूप पटेल ने ली।

बैठक में बीआरसीसी सतीश स्वरूप पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं संस्था स्तर पर किए जाने वाले नवाचारी कार्यों का अच्छी क्वालिटी की वीडियो बनाएं और शेयर जरूर करें। ताकि, अन्य साथी प्रेरित हो और अधिकाधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके। सोशल मीडिया के माध्यम से अच्छे कार्यों का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए तथा कार्यों को स्मार्ट तरीके से करने की जरूरत पर बल दिया। नियमित रूप से सीखने-सिखाने में क्रिएटिविटी लाने और सतत अपडेट रहने सलाह दी गई। शिक्षण में कहानी

करने, उनके सीखने पर ध्यान देने और स्कैफोल्डिंग करने कहा।

बीईओ प्रकाशचन्द्र मांझी ने बैठक में जमीनी स्तर पर हो रहे अनुकरणीय कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि क्या हम अपने विद्यालय के अच्छे कार्यों को शेयर कर अन्य विद्यालय/ शिक्षकों /बच्चों को लाभान्वित कर सकते हैं। साथी शिक्षकों से सहज रूप से सीख हासिल कर सकते हैं? बच्चों के सीख हेतु नित्य नवीन, आकर्षक वीडियो कारगर साबित हो सकता है इसलिए ऐसे

जरूरी है, चर्चा पत्र को ध्यान से पढ़कर उपयोग करने, सीजी स्कूल डॉट इन वेबसाइट की उपयोगिता पर बल दिया गया। बालवाड़ी, अंगना म शिक्षा, नई शिक्षा नीति, खिलौने आधारित शिक्षण आदि पर चर्चा परिचर्चा करते हुए अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत पर बल दिया। बच्चों के कौशल विकास के लिए विकासात्मक लक्ष्य तय कर संप्राप्ति के लिए प्रयास करने कहा। सभी एक-दूसरे से सीखें, चूंकि सीखना जरूरी है। स्कूली बच्चों के विकास और रचनात्मक

कि हमें कम समय में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षमता हासिल हो सकता है। नवाचारी गतिविधियों को करते हुए इसके प्रचार प्रसार, दस्तावेजीकरण के संबंध में जोर दिया गया।

इस अवसर पर संकुल समन्वयक सुशील कुमार चौधरी, राजेश पटेल, पतवंत कुमार चौधरी, योगेश साहू, भुपेन्द्र सिंह नेताम, निरंजन मेहेर, मुकेश प्रधान, टिकेलाल भोई, केशव प्रसाद साहू, कन्हैया लाल पारेस्कर, राजेन्द्र पटेल, हेमंत पंड्डवंशी, चितरंजन प्रधान, ज्योति कुमार ठेठवार, उत्तरा दीवान, कौशल प्रसाद साहू, दयासागर नायक, सच्चिदानंद भोई, पांसीराम लोई, भागवानो नंद, नरेश पटेल, नवीन टोप्पो, हेमंत पटेल, नवीन मिश्रा, रमेश सोढ़ी, हेमसागर प्रधान, शनिराम सिदार, चंद्रभानु पटेल, ज्योति प्रधान, वन्दना सतपथी, अनिता चौधरी, रम्भा भोई, निरुपमा देवता, धनमोती भोई, उषा चौधरी, रूपवती पैकरा, स्नेहलता कुमार, अनुपमा सतपथी, रेशमा बेगम, शैलेश विश्वास, राधेश्याम चौहान, भीम

हल्दी-चावल देकर मतदान के लिए न्यौता

सभी सुनें सही चुनें

कोटा (नईदुनिया न्यूज)। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदाताओं की शत-प्रतिशत मतदान में भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुकमा जिले में स्वीप कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। इस दौरान दक्षिण भारतीय पारम्परिक वेशभूषा में सज संवर कर मतदाताओं को तिलक लगा कर हल्दी चावल देकर मतदान करने के लिए निमंत्रण दिया गया।

स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिंदी माध्यम विद्यालय कोंटा के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा दक्षिण भारतीय पारंपरिक वेशभूषा में निकले। विद्यार्थियों ने घर-घर दस्तक देकर कोंटा के ओड़िया पारा से लेकर नयापारा तक करीब तीन किलोमीटर कि दूरी तय कर सैकड़ों मतदाताओं को 07 नवंबर को होने वाले विधानसभा निर्वाचन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर मतदान करने की अपील की। तिलक लगाकर, हल्दी चावल के साथ मतदान निमंत्रण पत्र वोट पंडुम का नेवता देकर शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ व दिव्यांग मतदाताओं एवं दुकानदारों, सब्जी-भाजी विक्रेताओं, ठेले गुमटी चलाने वालों के पास जाकर उन्हे लोकतंत्र के निर्माण में सहभागिता निभाने, मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद स्कूल के हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के समस्त स्टाफ ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया।

स्कूली बच्चों ने दिखाई कई विधाओं में अपनी कला प्रतिभा

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर।

जिला स्तर पर आयोजित कला उत्सव में विभिन्न विकासखंडों के स्कूली बच्चों ने शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य कला समेत अनेक विधाओं में अपनी कला प्रतिभा का परिचय दिया। जिला स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर चयनित बच्चे अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

जिला स्तरीय कला उत्सव का आयोजन जे.एन. पांडेय शासकीय बहुउद्देशीय उत्कृष्ट विद्यालय में किया गया। इसमें शास्त्रीय गायन, वादन, संगीत, वादन, लोक नृत्य, नृत्य कला समेत 10 विधाओं

में विकासखंडों के 67 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय व स्कूल के प्राचार्य एम.आर. सावंत विशेष रूप से मौजूद रहे। स्कूली बच्चों ने अपनी प्रदर्शन से लोगों का दिल जीत लिया।

प्रदर्शन के आधार पर बच्चे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। शास्त्रीय गायन में धरा यादव (तिल्दा) और बालिका वर्ग में कुमारी तृषा (धरसींवा) प्रथम रहे। संगीत वादन पारंपरिक लोक संगीत में हिमेन्द्र साहू (अभनपुर) और ज्योति साहिक (तिल्दा) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संगीत वादन में अनुपमा झा (धरसींवा) तथा मोनिका यादव (आरंग), संगीत वादन स्वर वाद्य में पामेश्वर (आरंग) प्रथम रहे। शास्त्रीय नृत्य में कृष्ण चक्रधर (धरसींवा) और प्रेम रोहित, लोक नृत्य वर्ग में राहुल यादव (तिल्दा) एवं अनन्या मोहंती (धरसींवा) अव्वल

रहे। दृश्य कला द्विआयामी में स्वरा गुप्ता (धरसींवा) व यामिनी साहू (अभनपुर) पहला स्थान हासिल किया। इसके अलावा दृश्य कला 3 आयामी में लिम (अभनपुर) एवं रोमिता बेग (अभनपुर) तथा स्थानीय खेल-खिलौना में अभनपुर के मनु प्रसाद साहू ने बालक वर्ग में धरसींवा विकासखंड की आस्था नेताम बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नाटक एकल अभिनय में जीत सावंत (तिल्दा) और आशा विश्वकर्मा (धरसींवा) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान के साथ ही सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

राज्यपाल पुरस्कार में मिली राशि से लौटाई शाला की रौनक

अबूझमाड़ में मोटरसाइकिल गुरुजी के नाम से फेमस हैं देवेंद्र देवांगन

2006 से कोडोली में पदस्थ

[illegible]

उदाहरण बन चुकी है शाला

[illegible]

‘इलोक्टोरोलसर्च डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन’ में सर्च करें

घर बैठे जानें मतदाता सूची में आपका नाम है या नहीं

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

भारत निर्वाचन आयोग ने सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतरीन उपयोग करते हुए मतदाताओं को घर बैठे उनका मतदाता सूची में नाम होने की जानकारी उपलब्ध कराई है। कोई भी मतदाता अपने मोबाइल और कम्प्यूटर में इंटरनेट का उपयोग करते हुए निर्वाचन आयोग की वेबसाईट ‘इलोक्टोरोलसर्च डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन’ में जाकर बड़ी आसानी से अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची देख सकता है।

सूची देखने के साथ ही उसका प्रिन्ट भी लिया जा सकता है। अब इस कारण यदि किसी मतदाता के घर उसकी मतदाता पर्ची नहीं पहुंची हो तो वह इस वेबसाइट का भी उपयोग कर सकता है। वेबसाइट में मतदाता का नाम ढूंढने के लिए व्यक्तिगत जानकारी और अपने निवास स्थल की जानकारी होनी चाहिए। इसके अंतर्गत मतदाता सूची में दो तरीकों से नाम देखा जा सकता है। पहला मतदाता पहचान पत्र (इपिक कार्ड) व्दारा और दूसरा मोबाइल नंबर के माध्यम से देखा जा सकता है। वेबसाईट में नाम ढूंढने के लिए व्यक्ति को अपने राज्य का नाम, भाषा का चयन, मतदाता का प्रथम व मध्य नाम उपनेम (सरनेम) रिश्तेदार का प्रथम नाम, उपनाम, जन्म तिथि, आयु, लिंग, जिला, विधानसभा क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए। पहले विकल्प के रूप में मतदाता पहचान पत्र व्दारा जानकारी प्राप्त करने के लिए भाषा का चयन, इपिक कार्ड का नंबर और राज्य का नाम लिखना होगा। इसके बाद कैपचा कोर्ड अंकित कर सर्च का बटन दबाना होगा। इसके तुरंत कुछ ही सेकेन्ड में मतदाता के नाम का विवरण आ जाएगा।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा के वेबसाइट में सरायपाली के 11 नवाचारी शिक्षकों को मिला स्थान

सरायपाली, 18 अक्टूबर (देशबन्धु)। शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला के विशेष प्रयास से प्रेरित होकर नवाचार युक्त शैक्षणिक गतिविधियों में शिक्षक गण बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दे रहे हैं। शासकीय विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और नवाचारी शिक्षकों के गतिविधियों और कार्यों को अपने वेबसाइट पर पूरे विवरण सहित प्रकाशित ...साहित कर रहे हैं। इसी तारतम्य में जिला शिक्षा ...री मीता मुखर्जी, सहायक संचालक द्वय सतीश ...किशोर सिन्हा एवं डीएमसी कमल नारायण ... के निर्देशानुसार तथा बीईओ सरायपाली ...चंद मांझी, बीआरसी सतीश स्वरूप पटेल, ... बीईओ द्वय डी. एन. दीवान, जे. के राठल के ...र्गदर्शन में विकासखण्ड सरायपाली के शिक्षकों ...चारी गतिविधियों को इसमें प्रतिदिन स्थान मिल ...विकासखण्ड सरायपाली के नवाचारी शिक्षक ...की गतिविधियों का उल्लेख अप्रलिखित हैं - ...द्र कुमार नायक, व्याख्याता, शास. उ. मा. वि. ...(हिंदी व्याकरण, अलंकार शॉर्ट ट्रिक), 2. चंद्रभानु ...ना, उच्च प्रा. शा. पाटसेंद्री (गणित - रेखा, ...और रेखाखंड), 3. योगेश साहू शास. प्राथ. शाला ...(गणित - आरोही-अवरोही क्रम), 4. श्रीमती ...प्रकाश, शास. प्राथ. शाला मुधा (गणित - अंक ...), ...चंद्रशेखर पटेल, प्रधान पाठक, शास. प्राथ. शाला ... (आयत और वर्ग की अवधारणा, कोण के ...पर त्रिभुज के प्रकार), 6. श्रीमती बनमोती ...चि भोई शास. प्राथ. शाला बोड़ेसरा (खिलौने, ...अक्षर से आने वाले शब्द, मानसिक दक्षता, ...बलाता बचपन), 7. श्रीमती पुष्पा पारेश्वर ... गोला लगाओ), 8. अंजू पटेल प्रधान पाठक शा. प्राथ. शाला कसडोल (गणित - अंक ज्ञान), 9. राधेश्याम चौहान, सहायक शिक्षक, शास. प्राथ. शाला-सिमकुड़ा (गणित - पहले एवं बाद की संख्या, मूर्त रूप में जोड़ना-घटाना सीखना, खेल-खेल में रंगों को पहचान), 10. मुकेश कुमार साव, शा. प्रा. शाला कोटापाली (गणित - जोड़ की अवधारणा, अंग्रेजी - अपोजिट वर्ड्स, एक्शन वर्ड्स), 11. ऋषि प्रधान, शा. प्राथ. शा. बाराडोली (गणित - सरकना और लुढ़कना सीखना) प्रमुख रूप से शामिल हैं। यह क्रम अनवरत जारी है। इस विशिष्ट कार्य में जिले का नाम रोशन करने के लिए समस्त नवाचारी शिक्षकों को जिला शिक्षा विभाग एवं विकासखण्ड के सभी अधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी

ट्रक की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

सरायपाली, 18 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर के थाना चौक के पास मंदिर स्कूल के सामने ट्रक की चपेट में आने से आज दोपहर दो बजे संजय नगर सरायपाली निवासी बुधराम आदित्य (70) की मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार थाना चौक पर रायपुर से संबलपुर की ओर जा रही ट्रक क्रमांक ओ डी की चपेट में आ गया ट्रक मृतक को करीब 15 फीट घसीटते हुए ले गया शहर के अंदर बड़े वाहनों का आना जाना लगा रहने से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और उसका परिणाम आज सामने आया त्यौहार के समय में शहर में भारी भीड़ रहती है दुकानदार दुकान का सामान सड़क तक निकाल कर रखते हैं तथा बड़े बड़े साइन बोर्ड सड़क तक लगा कर रखे हुए हैं जिसके कारण भी लोगों ...

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल में मतदाता जागरूकता हेतु शपथ

समस्त अधिकारी, कर्मचारियों ने मतदान करने हेतु लिया शपथ

महासमुन्द ट्रैक सीजी गौरव चंद्राकर/ 17 अक्टूबर स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल नयापारा महासमुन्द में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी महाससुन्द के आदेशानुसार विधान सभा निर्वाचन 2023 में शत् प्रतिशत मतदान करने हेतु संस्था के सभी अधिकारी कर्मचारियों को प्राचार्य अमी रूपस द्वारा शपथ दिलायी गई। शपथ को सभी कर्मचारी दोहराते गये जिसमें श् हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे तथा दिव्यांगजन हुंए मतदाताओं को मतदान करने के हेतु प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता से संबंधित नारे भी लगाये गये। मतदाता जागरूकता शपथ कार्यक्रम में वरिष्ठ व्याख्याता प्रमोद कुमार कन्नौजे सहित संस्था के सभी शिक्षक, शिक्षिका, कार्यालयीन कर्मचारी उपस्थित थे।

नवाचारी गतिविधियों के संबंध में बीईओ, बीआरसीसी ने की शिक्षकों से चर्चा-परिचर्चा

सरायपाली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। कार्यालय विकासखंड स्रोत केन्द्र समन्वयक सरायपाली में नवाचारी गतिविधियों में वृद्धि एवं बेस्ट प्रक्टिसेस को प्रोत्साहन देने हेतु समस्त संकुलों से चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं की विकासखंड स्तरीय आवश्यक बैठक बीईओ प्रकाशचन्द्र मांझी एवं बीआरसीसी सतीश स्वरुप पटेल द्वारा लिया गया। बैठक में बीआरसीसी सतीश स्वरुप पटेल ने कहा कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ संस्था स्तर पर किए जाने वाले नवाचारी कार्यों का अच्छी क्वालिटी का वीडियो बनाएँ और शेयर जरूर करें ताकि अन्य साथी प्रेरित हों और अधिकाधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके। सोशल मीडिया के माध्यम से अच्छे कार्यों का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए तथा कार्यों को स्मार्ट तरीके से करने की जरूरत पर बल दिया। नियमित रूप से ... में कहानी कथन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा स्कूलों में एफ.एल.एन.कीट की उपयोगिता व महत्व प्रकाश डाला गया और बच्चों को इसे नियमित उपयोग करने, उनके सीखने पर ध्यान देने और स्कैफोल्डिंग करने कहा। बीईओ प्रकाशचन्द्र मांझी ने बैठक में सभी समर्पित शिक्षकों को बधाई दी तथा जमीनी स्तर पर हो रहे अनुकरणीय कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि क्या ... को लाभान्वित कर सकते हैं और साथी शिक्षकों से सहज रूप से सीख हासिल कर सकते हैं ? बच्चों के सीख हेतु नित्य नवीन, आकर्षक वीडियो कारगर साबित हो सकता है इसलिए ऐसे वीडियो को फॉलो कर सकते हैं। अधिक से अधिक गतिविधि आधारित वीडियो बनाने और एक दुसरे को मदद करने की आवश्यकता है। एफ.एल.एन. काफी जरूरी है, चर्चा पत्र को ... दिया गया। बालवाड़ी, अंगना म शिक्षा, नई शिक्षा नीति, खिलौने आधारित शिक्षण आदि पर चर्चा परिचर्चा करते हुए अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत पर बल दिया बच्चों के कौशल विकास हेतु विकासात्मक लक्ष्य तय कर संप्राप्ति हेतु प्रयास करने कहा। सभी एक-दुसरे से सीखें चूंकि सीखना जरूरी है। स्कूली बच्चों के विकास और चुनौतियों के संबंध में स्टॉफ में चर्चा जरूर करें, अकादमिक चर्चा-परिचर्चा आवश्यक है। केनवा एप, इनशॉट एप जैसे एप के सम्बन्ध में चर्चा कर कहा कि हमें कम समय में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षमता हासिल हो सकता है नवाचारी गतिविधियों को करते हुए इसके प्रचार प्रसार, दस्तावेजीकरण के संबंध में जोर दिया गया इस अवसर पर संकुल समन्वयक सुशील कुमार चौधरी, राजेश पटेल एवं विकासखंड के ...

परीक्षा के समय तनाव से बचने दिए टिप्स

विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

‘छत्तीसगढ़’ संवाददाता

कोण्डागांव, 12 अक्टूबर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर नवोदय विद्यालय में मानसिक विकारों एवं उनसे बचाव करने हेतु विद्यालयीन छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ विभिन्न गतिविधियों एवं प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से जानकारी दी गई।

इस मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम में विद्यालय समिति की ओर से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था। जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ तिवारी द्वारा बच्चों को परीक्षा के समय होने वाले तनाव से बचने हेतु टिप्स दिये गये, साथ ... छात्र-छात्राओं को विभिन्न गतिविधि के माध्यम से जीवन कौशल संबंधी जानकारी प्रदान की गई ताकि वे अपने जीवन में आने वाली समस्याओं को सुलझाने हेतु मानसिक व शारीरिक रूप से सदैव तत्पर रहें और अपने जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहें।

कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा रोचक कहानियों से बच्चों को सम्बोधन करते हुए उन्हें मानसिक रूप से स्वस्थ रहने हेतु बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया।

इस कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम ... मनोरोग विशेषज्ञ मधु कचेल एवं एनएमएचपी के ... केला, नवोदय विद्यालय समिति के प्राचार्य संजय ... एवं विद्यालयीन समिति के समस्त कर्मचारीगण ... विद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यशाला

कार्यशाला में 22 छात्रों ने लिया हिस्सा

स्कूल के छात्रों ने सीखा पौधों में ग्राफ्टिंग का विज्ञान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. पर्यावरण संरक्षण को लेकर विज्ञान आश्रम कसेकेरा में ग्राफ्टिंग, बडिंग व गूटी बांधने की तकनीक पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला 22 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विज्ञान आश्रम कसेकेरा के संचालक विश्वास मेश्राम द्वारा पादप संवर्धन को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें आम, नींबू, गुलाब पौधे की बेहतर पौध तैयार करने के लिए बडिंग, ग्राफ्टिंग और गूटी बांधने की तकनीक का सहारा लेने की जानकारी छात्रों को दी गई। मेश्राम ने बताया कि अलग-अलग पौधों में ग्राफ्टिंग और बडिंग का सीजन अलग-अलग होता है। उदाहरण के लिए आम के पौधे में ग्राफ्टिंग के लिए जून से लेकर अगस्त माह तक का समय उपयुक्त होता है। ग्राफ्टिंग के लिए हमें 10 से 20 दिन पहले जिस भी किस्म अर्थात दशहरी, लंगड़ा, सिंदूरी का नया पौधा तैयार करते हैं। दो साल के पौधे पर इस कलम की ग्राफ्टिंग की जाती है। इस प्रशिक्षण में नोहर चक्रधारी, ऐनु साहू, दिनेश कुमार पांडे, गोविंदा यादव, कमलेश कुमार, खेजऊ यादव, गुलशन चक्रधारी, जितेंद्र यादव और एल उमाकांत, चित्रसेन कोसरे और अशोक कुमार ढवले द्वारा भागीदारी की गई।

बच्चों को मन लगाकर पढ़ने किया जागरूक

यूनिसेफ के शिक्षा और स्वास्थ्य समन्वयक प्रेम साहू द्वारा विद्यार्थियों को विज्ञान से संबंधित नए कार्यों की जानकारी दी गई। छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक विश्वास मेश्राम द्वारा विद्यार्थियों को पेड़-पौधों के महत्व को बताया। उनके मार्गदर्शन में बच्चों ने पेड़-पौधों को बचाने के लिए विज्ञान गीत गाया। उन्होंने विज्ञान आश्रम में बन रहे हर्बल गार्डन की जानकारी देते हुए बच्चों से मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कोमाखान से आए मुख्य अतिथि कुमार थियेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें ग्राफ्टिंग की तकनीक को बारीकी से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अनुभा सिंह द्वारा भी छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। उद्यान अधिकारी प्रणय कुमार खरे द्वारा विस्तार से ग्राफ्टिंग के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई। मां रुपाई ईको क्लब शासकीय मिडिल स्कूल कसेकेरा के प्रधान अध्यापक और पर्यावरण एक्टिविस्ट डॉ. विजय कुमार शर्मा द्वारा बहुत सरल भाषा में पौधों के बडिंग और ग्राफ्टिंग के बारे में जानकारी दी। पर्यावरण संरक्षण के लिए इस क्षेत्र में जन सहयोग से किए गए कार्य की याद दिलाई। कार्यशाला में आए छात्रों को ग्राफ्टिंग की तकनीक सिखाई गई।

कबाड़ से जुगाड़ स्पर्धा, विजेता पुरस्कृत

कोण्डागांव, 13 अक्टूबर। जिले में अभी कबाड़ से जुगाड़ स्पर्धा जारी है। इसी तारतम्य में संकुल मुनगापदर और मोहलाई में संयुक्त रूप से कबाड़ से जुगाड़ स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शालाओं को पुरस्कृत किया गया।

जिला मीडिया प्रभारी शिक्षक शैलेंद्र ठाकुर ने बताया कि दोनों संकुल के प्राथमिक माध्यमिक शालाओं में अध्ययनरत बच्चों ने प्रतिभाग किया और गणित विज्ञान से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं को मॉडल के माध्यम से समझाने और बताने का बेहतरीन प्रयास किया। कबाड़ से जुगाड़ में माध्यमिक स्तर से प्रथम उच्च प्राथमिक शाला करनपुर, द्वितीय उच्च प्राथमिक शाला मुनगापदर एवं उच्च प्राथमिक शाला मोहलाई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्राथमिक स्तर में प्रथम प्राथमिक शाला कुहली पारा मोहलाई, द्वितीय प्राथमिक शाला पटेल पारा मुनगापदर एवं मातापदर करनपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शालाओं को पुरस्कृत किया गया।

इस कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य राजकुमार नेताम, संकुल समन्वयक मुनगापदर प्रेमराज नेताम, संकुल समन्वयक मोहलाई मदन राठौड़, आशुतोष ध्रुव, डीनेश्वर वैध, केशव पटेल, खगेश्वर दीवान, खुबलाल साहू, माधव ध्रुव, भोमराज पोयाम, नवल नेताम, देवेंद्र सेठिया, ललित सोरी, भरत कोर्राम, डिकेश कश्यप, चमेली देवांगन, धर्मेंद्र मंडावी, सुप्रिया नाग, कंसीलाल बघेल, योगेंद्र निषाद, रामचंद्र मौर्य, भारत भूषण कश्यप, रश्मि देहारी, अशोक पांडे, राजमान बघेल, सकून बघेल, कोदूराम मरकाम, वासुदेव नेताम, अपन पोयाम, रूपनाथ पांडे, कमलेश नेताम, चंद्रहास कश्यप, रघुनाथ मरकाम, शिखा यादव, सुशील कोर्राम, नरेंद्र मरकाम, प्रणय कोमर्रा एवं टुपुरा, प्रतिभागी एवं अध्ययनरत बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कबाड़ से जुगाड़ सह टीएलएम कार्यक्रम, बच्चों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

कोण्डागांव, 14 अक्टूबर। पेण्ड्रावन में संकुल स्तरीय कबाड़ से जुगाड़ सह टीएलएम कार्यक्रम का हुआ आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संकुल के सभी शालाओं के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ-साथ बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संकुल पेण्ड्रावन विकासखंड बड़ेराजपुर जिला कोंडागांव में संकुल प्राचार्य रतन सिंह नेताम संकुल समन्वयक विनोद कुमार भारत के दिशा निर्देश में संकुल के सभी शालाओं के शिक्षकों व प्रधान पाठक के सहयोग से कबाड़ से जुगाड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला मीडिया प्रभारी शिक्षक शैलेंद्र ठाकुर ने बताया कि इस आयोजन में शिक्षकों ने विषय आधारित जिसमें विज्ञान गणित पर्यावरण हिंदी अंग्रेजी आदि विषयों पर नए-नए मॉडल तैयार कर प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में खंड स्त्रोत समन्वयक फूल सिंह मरकाम, बीआरपी मनोज कुशवाहा प्रेमलाल यादव व शाला प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित थे।

मरकाम ने इस आयोजन के लिए सभी शिक्षकों व संकुल समन्वयक पेण्ड्रावन को बधाई देते हुए कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से अध्यापन सामग्री निर्माण करते हुए बच्चों में गुणवत्ता लाने पर जोर दिया।

बीआरपी यादव ने कबाड़ से जुगाड़ का विस्तार से चर्चा करते हुए नियमित रूप से इसका उपयोग अध्यापन में किए जाने पर बल दिया, सभी शिक्षकों को बधाई भी दिया। कार्यक्रम सभी शिक्षकों के सहयोग से सम्पन्न हुआ इस कार्यक्रम का बच्चों ने भी आनंद लिया व अपने शिक्षकों के मार्ग दर्शन में विषय अनुरूप मॉडल बनाने की बात कही संकुल समन्वयक भारत ने भी अपने संकुल के सभी प्रधान पाठकों को सहयोग व शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए मॉडल पर बधाई दिया।

स्पर्धा में प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक शाला सरगीपाल प्रथम स्थान व शाला अटलपारा द्वितीय स्थान पर रहा। इसी तरह माध्यमिक स्तर में मा.शा पेण्ड्रावन प्रथम स्थान व माशा चिरेपुरा दूसरे स्थान पर रहा। प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त शालाओं को संकुल पेण्ड्रावन की ओर से ट्रॉफी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के अंत में प्रधान पाठक ओमप्रकाश नेताम प्राथमिक शाला सरगीपाल द्वारा मुख्य अतिथियों व समस्त शाला के प्रधान पाठकों शिक्षक शिक्षिकाओं को आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी के रूप में ओमप्रकाश नेताम प्रधान अध्यापक प्रा.शा सरगीपाल, दिनेश कुमार नाग शिक्षक, दिनेशकुमार नाग शिक्षक माध्यमिक शाला पेण्ड्रावन, रोहित कुमार नवनियुक्त सहायक शिक्षक प्रा.शा सरगीपाल व उद्घोषक के रूप में जगदीश साहू रहे।

पेण्ड्रावन में कबाड से जुगाड़ के जरिए बेहतर शिक्षा का प्रयास

कोंडागांव (प्रात: इंडिया)। पेण्ड्रावन में विभिन्न शिक्षकों और छात्रों के द्वारा कबाड से जुगाड़ के माध्यम से शिक्षा सामग्री तैयार की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन पेण्ड्रावन विकासखंड बड़ेराजपुर में हुआ, जिसमें शिक्षकों और छात्रों ने साथ ... अंग्रेजी। यह मॉडल छात्रों को बेहतर शिक्षा देने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में खंड स्त्रोत समन्वयक फूल सिंह मरकाम, बीआरपी मनोज कुशवाहा, प्रेमलाल यादव, और शाला प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित रहें। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि वे अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विषय अनुरूप मॉडल तैयार करने का अवसर प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक शाला सरगीपाल प्रथम स्थान पर रही, जबकि माध्यमिक स्तर पर माध्यमिक ...

दिखाई प्रतिभा: विद्यार्थियों ने मॉडल का किया प्रदर्शन, सभी ने की सराहना

छात्रों ने पर्यावरण बचाने और मानव शरीर के जरुरी अंगों को दर्शाते बनाए कई मॉडल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोंडागांव/फरसगांव

विकासखंड के अंतर्गत संकुल केंद्र कमेला में संकुल स्तरीय कबाड़ से जुगाड़ विज्ञान गणित प्रदर्शिनी का आयोजन मंगलवार को आयोजित किया गया। जिसमें संकुल कमेला के अंतर्गत सभी शाला के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के कबाड़ सामग्री के माध्यम से जुगाड़ करके गणित विज्ञान टीएलएम निर्माण कर प्रदर्शनी लगाई गई।

जिला मीडिया प्रभारी शिक्षक शैलेंद्र ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि, संकुल प्राचार्य हीरालाल चंद्रवंशी व संकुल समन्वयक गौतम रामपांडे के निर्देशन बीआरसी रामलाल नेताम व बीआरपी रामप्रसाद कुशल की उपस्थिति मे कार्यक्रम का शुरुआत किया गया। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा लगाया गया बाल मेला भी आकर्षण का केंद्र रहा।

इस कार्यक्रम में सुरिज राम पोयाम, अमृत लाल देवांगन, मदन कोर्राम, ... अविनाश बनर्जी, सौरभ यदु, तरुणी पटेल, अरुणा सिन्हा, तुलसी भोई, राजू दीवान, शीतल कोर्राम, मयाराम उइके, महावीर सलाम, नरेश, टोनिका, खेमती कश्यप, इतवारीन पांडे, जगत, नंदू, रितेश, मिलन, सखाराम, नागेश्वर, फणीन्द्र, कौशिक बड़ी संख्या मे पालक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गणित प्रदर्शनी का आयोजन आयोजित किया गया।

चिलपुटी में हुआ कबाड़ से जुगाड़ प्रदर्शिनी व विज्ञान मेला का आयोजन

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

विकासखंड कोंडागांव अंतर्गत संकुल केंद्र चिलपुटी मे संकुल स्तरीय कबाड़ से जुगाड़ विज्ञान गणित प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया, जिसमे संकुल चिलपुटी के अंतर्गत सभी शाला के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के कबाड़ सामग्री के माध्यम से जुगाड़ करके गणित विज्ञान टीएलएम निर्माण कर प्रदर्शिनी लगाया गया। संकुल प्राचार्य, संकुल समन्वयक, मुख्य अतिथि, प्रधान पाठक और प्रधान पाठक की उपस्थिति मे कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राथमिक शाला जुनापानी व ...

आकर्षण का केंद्र रहा। इस आयोजन के लिए सभी ग्रामीणों ने शिक्षकों व संकुल समन्वयक ... शाला छुरीगोड़ा द्वितीय स्थान पर रहा। इसी तरह माध्यमिक स्तर में मा.शा चिलपुटी प्रथम स्थान व ...

खेल स्पर्धा : सम्मान और इनाम के साथ समापन

सभी जोन ने किया शानदार प्रदर्शन, समापन पर मल्लखंब के प्रदर्शन से दर्शक हुए रोमांचित

इनका भी मिला सहयोग

राज्य शालेय क्रीड़ा स्पर्धा में बस्तर बना चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ›› कोंडागांव

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग समापन बुधवार को विकास नगर स्टेडियम में किया गया। मलखम, फुटबॉल एवं तीरंदाजी की चार दिनों तक चली प्रतियोगिता में बस्तर जोन ने ओवर ऑल चैंपियन खिताब हासिल किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित कलेक्टर दीपक सोनी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। समापन के अवसर पर मलखम के साथ ही आकर्षक नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मधुलिका तिवारी ने की। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक महेन्द्र पाण्डे, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सुश्री सुधा कुमार सहित शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

- समापन पर मलखम का शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों को किया आकर्षित

कलेक्टर ने विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई

इस अवसर पर कलेक्टर ने स्वस्थ शरीर के लिए खेलों की आवश्यकता बताते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। श्री सोनी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देने के साथ ही हारने वाले खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हारने वाले खिलाड़ी निराश न होकर बेहतर प्रदर्शन के लिए अभी से पुनः अभ्यास में जुट जाएं। यहां मिली हार के कारणों की पड़ताल करें और कमियों को दूर करें।

शास. हायर सेकेण्ड्री स्कूल हंगवा व ईसलनार में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

कोण्डागांव, 18 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल हंगवा एवं ईसलनार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर उपस्थित छात्र-छात्राओं को विधिक जानकारी दी गई।

18 अक्टूबर 2023 को उत्तरा कुमार कश्यप जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार तथा श्रीमती अम्बा शाह व्यवहार न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के कुशल नेतृत्व में सुनील कुमार मरकाम पी.एल.व्ही. प्रबंध कार्यालय कोण्डागांव एवं रविन्द्र बघेल पी.एल.व्ही. प्रबंध कार्यालय कोण्डागांव के द्वारा शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल हंगवा एवं ईसलनार के छात्र-छात्राओं में विधिक जागरूकता लाने के उद्देश्य से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह पर रोक लगाने, जाना चाहिए अथवा अन्य किसी जोखिमपूर्ण रोजगार में नियोक नहीं करने एवं बच्चे के सर्वोत्तम हित को सर्वप्रथम ध्यान रखने के संबंध में, आरटीई अधिनियम 2009 के रूप में जाना जाता है जिसका उद्देश्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21। के तहत भारत में 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के संबंध में, और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, चाईल्ड हेल्प लाईन नम्बर 1098, गुड टच बैड टच, पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना 2018, मोटर यान अधिनियम, किशोर न्याय बोर्ड अधिनियम, भारतीय संविधान में प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकार एवं उनके कर्तव्यों के बारे मे, नालसा द्वारा संचालित पहचान अभियान के संबंध में एवं नालसा हेल्प लाइन नम्बर 15100 के संबंध में जानकारी दी गई क्योंकि कोई भी व्यक्ति न्याय

उपस्थित छात्र-छात्राओं को दी गई विधिक जानकारी

समीक्षा बैठक — कक्षा 10वीं और 12वीं का बेहतर परीक्षा परिणाम लाने के लिए दिया गया जोर

कलेक्टर ने ली शिक्षा अधिकारियों की क्लास

महासमुंद (नि.)। स्कूल शिक्षा विभाग के प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयकों की कलेक्टर प्रभात मलिक ने क्लास ली। ... बैठक में कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं में के रिजल्ट को ध्यान में रखते हुए रणनीति तैयार किया। ... सत्र 2023- 24 में कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम कम से कम 90 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम कम से कम 95 प्रतिशत लाने के लिए रणनीति बनाकर लक्ष्य दिया गया। ...

भावी मतदाताओं ने भी की मतदान करने अपील

सेजेस कोंटा के विद्यार्थियों की अनूठी पहल

दक्षिण भारतीय पारम्परिक वेशभूषा मे सज संवर कर मतदाताओं को तिलक लगा कर हल्दी चांवल देकर दिया मतदान निमंत्रण

नवभारत रिपोर्टर। कोंटा।

छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदाताओं की शत-प्रतिशत मतदान मे भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुकमा जिले में स्वीप कार्यक्रम के तहत कलेक्टर सुकमा के निर्देशन मे जिला पंचायत सुकमा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डी एन कश्यप के कुशल मार्गदर्शन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कोंटा पी श्रीनिवास राव, प्राचार्य बी एल औरसा,प्रधान अध्यापक टी श्रीनिवास के नेतृत्व में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिंदी माध्यम विद्यालय कोंटा के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा दक्षिण भारतीय पारम्परिक वेशभूषा मे सज-सवंर कर घर-घर दस्तक देकर कोंटा के ओड़िया पारा से लेकर नयापारा तक लगभग 3 किलोमीटर कि दूरी तय कर सैकड़ों मतदाताओं को 7 नवम्बर 2023 को होने वाले विधानसभा निर्वाचन मे अधिक से अधिक संख्या मे भाग लेने हेतु तिलक लगाकर,हल्दी चांवल के साथ मतदान निमंत्रण पत्र बोट पंडूम का नेवता देकर शत- प्रतिशत मतदान करने का अपील की।

वरिष्ठ व दिव्यांग मतदाताओं एवं दुकानदारों,सब्जी-बाजी विक्रेताओं,टेले गुमटी चलाने वालों के पास जाकर उन्हे लोकतंत्र के निर्माण में सहभागिता निभाने,मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद स्कूल के हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के समस्त स्टॉफ ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया।

हैदराबाद में आयोजित स्कूली शिक्षा में संग्रहालय की भूमिका पर राष्ट्रीय कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 8 शिक्षकों ने किया राज्य का प्रतिनिधित्व

रायपुर जिले से अब्दुल आसिफ खान हुए सम्मिलित

कवर्धा(प्रखर)। भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के अंतर्गत सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'रोल ऑफ म्यूजियम इन स्कूल एजुकेशन' विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य के अलग अलग जिलों से 8 शिक्षकों का चयन किया गया।

जिसमे से रायपुर जिले के धरसीवा विकासखंड से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खदान क्षेत्र, मठपुरैना से अब्दुल आसिफ खान ने प्रतिनिधित्व किया इस प्रशिक्षण कार्यशाला में देश के कुल 19 राज्यों के 120 शिक्षक शामिल हुए। इनमें छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले से अब्दुल आसिफ खान के साथ कबीरधाम से प्रियंका बाजपेयी, कोरबा जिले से नरेन्द्र चंद्रा व राकेश कुमार कौशिक, मानपुर मोहला से रश्मि सोनी, बलरामपुर से प्रियंका तिवारी और बेमेतरा से प्रतिभा साहू और दुर्ग से कुलदीप वर्मा का चयन किया गया था इस कार्यशाला में संग्रहालय की स्थापना, महत्व, रखरखाव, उसका इतिहास, शिक्षा में उसकी उपयोगिता, विद्यालय में सांस्कृतिक क्लब की स्थापना, स्कूल में म्यूजियम कार्नर निर्माण का बारीकी से अध्ययन किया। सभी प्रतिभागियों को सालार जंग म्यूजियम, स्टेट आर्किओलॉजिकल म्यूजियम, शिल्पग्राम के आर्ट, क्राफ्ट व कल्चर को दिखाया गया सांस्कृतिक स्त्रोत व प्रशिक्षण केंद्र माधापुर, हाई टेक सिटी हैदराबाद के कार्यशाला में इतिहासविद, पुरातत्वविद, पूर्व प्रोफेसर और एससीईआरटी आंध्रप्रदेश के पूर्व डायरेक्टर डॉ. एन उपेंद्र रेड्डी, सीसीआरटी हैदराबाद के सलाहकार वाय. चंद्रशेखर और फील्ड ऑफिसर व प्रसिद्ध भरत नाट्यम नृत्यांगना सौंदर्या कौशि द्वारा सफलता पूर्ण प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र और प्रशिक्षण किट प्रदान किया गया।

सभी शिक्षकों ने राज्य की संस्कृति सभ्यता और समरसता को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ और जिले का प्रतिनिधित्व कर नाम रोशन किया।

सराहनीय — विद्यार्थियों ने बनाए रोचक मॉडल, अभिभावकों ने देखी प्रदर्शनी

बच्चों की वैज्ञानिक की समझ बढ़ाने विज्ञान व गणित प्रदर्शनी हुई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कलेक्टर ने ली जिले भर से आये स्कूल प्राचार्यों की बैठक

10वीं,12वीं के बेहतर नतीजे लाने पर जोर

नवभारत कार्यालय । महासमुंद।

कलेक्टर प्रभात मलिक ने आज स्कूल शिक्षा विभाग के प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं में के रिजल्ट को ध्यान में रखते हुए रणनीति तैयार की गयी। जिले के सभी प्राचार्यों को सत्र 2023- 24 में कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम कम से कम 90% एवं कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम कम से कम 95% लाने के लिए रणनीति बनाकर लक्ष्य दिया गया। स्कूलों की मरम्मत के लिए ...

प्रश्न निर्माण कर प्रति सप्ताह मूल्यांकन करने से, तिमाही, छैमाही परीक्षा को बोर्ड ...

जिले भर से आये स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे।

80 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाता घर से करेंगे मतदान

रायपुर (राज्य ब्यूरो)। निर्वाचन आयोग ने विधानसभा निर्वाचन 2023 में राज्य के 80 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के वृद्धजन, 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों और कोविड 19 संक्रमित या संदिग्ध मतदाता घर से ही मतदान कर सकेंगे। उनके लिए मतदान करने को डाक मतपत्र की वैकल्पिक सुविधा प्रदान की गई है। अब इन वर्गों के ऐसे व्यक्ति जो मतदान दिवस को मतदान केंद्र में पहुंचकर वोट डालने में अपने को असमर्थ पाते हैं वे फार्म 12 घ ...

प्रयास है कि समाज का कोई भी वर्ग मतदान में अपनी भागीदारी से नहीं छूटे। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत राज्य में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर सर्वे का कार्य किया जा रहा है और 80 वर्ष व इससे अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं, 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले निःशक्तजन और कोविड संक्रमित मतदाताओं के आवेदन फार्म 12 घ में प्राप्त किये जा रहे हैं। प्रथम चरण के 20 विधानसभा क्षेत्रों में इस वर्ग के कुल 1,648 आवेदन प्राप्त ...

जागरुकता — अधिक से अधिक मतदान के लिए बच्चों से लेकर महिलाएं भी कर रही जागरूक

चुनाव जागरुकता रैली में बच्चों का भी उपयोग

स्काउट गाइड के बच्चे बैंड बाजा लेकर गांव की गलियों में निकाल रहे रैली

नवभारत रिपोर्टर। कोंडागांव।

भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव के पदेन संरक्षक एवं जिला कलेक्टर दीपक सोनी एवं राज्य आयुक्त स्काउट एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम प्रकाश शर्मा के निर्देशानुसार और जिला संगठन आयुक्त स्काउट भोजभदेव साहू के मार्गदर्शन में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बड़ेबेंदरी एवं कब बुलबुल टीम मुरारीपारा बड़ेबेंदरी में संकुल प्राचार्य शिवकुमार तिवारी एवं संकुल समन्वय उमेश भारती के मार्गदर्शन में व रोवर खोगेंद्र नाग एवम् कब मास्टर पवन कुमार साहू के नेतृत्व में मुरारीपारा ,चांदनीचौक, हाई स्कूल , कोटवारपारा ... पुसावंडपारा में मतदाता जन जागरूकता रैली निकालकर सभी मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र में जाकर शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु अपील की ... अरंडी की शशि कला ठाकुर रेंजर लीडर के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल ... आयुक्त गाइड नीलम श्रीवास्तव, दशरथ लाल ध्रुव रोवर लीडर सेजेस दहिकोंगा के नेतृत्व में मंदिरों के आसपास साफ सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का ...

मॉडल प्रदर्शनी के साथ ऊर्जा संरक्षण पर हुई चित्रकला स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महासमुंद

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा में संस्था के प्राचार्य एसएल पाटकर के दिशानिर्देश में कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत विभिन्न मॉडल प्रदर्शन करने एवं ऊर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के विज्ञान क्लब, गणित क्लब, इको क्लब, भूगोल परिषद, वाणिज्य क्लब के साथ व्यावसायिक अध्ययन टेलीकॉम और कृषि के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर सहभागिता किया।

इस आयोजन के प्रभारी शिक्षकगण तारणी कहार, आराधना साहू एवं जुगनी गुम्बर के नेतृत्व में बच्चों ने कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत अनुपयोगी एवं पुरानी व बेकार पड़ी वस्तुओं से अनेक प्रकार के शैक्षिक सामग्री बनाकर व्याख्या सहित अपने अपने मॉडल का जीवंत प्रस्तुति करण कर सभी शिक्षकों व अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किए। साथ ही ऊर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला के माध्यम से बच्चे अपनी विचार व संदेश को प्रदर्शित किए।

इस प्रतियोगिता में मानषी विश्वकर्मा ग्यारहवीं ने सोलर सिस्टम बनाकर प्रथम स्थान, दिव्या यादव नवमी ने वाटर फिल्टर बना कर द्वितीय एवं ईश्वरी साहू बारहवीं ने एटीएम व मधु महिलांग ग्यारहवीं ने कूलर बना तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रतिभागी विद्यार्थी गेंदलाल साहू भूगोल की शाखाएं, ममता ध्रुव गुलदस्ता, प्रीति चन्द्राकर डस्टबिन, अंजली उत्सर्जन तंत्र, तरूण स्वशन तंत्र, मोनिका पाचन तंत्र, आरती देवदास व रिंकी निषाद बीजों का अंकुरण, पुष्पा पेन स्टेण्ड, चन्द्रहास पवन चक्की, पूनम ध्रुव बेलेन्स बार, पूजा व पूनम ने आदर्श स्कूल का मॉडल बना कर सभी ने सजीवता प्रदर्शित कर सभी शिक्षकों व बच्चों को आकर्षित व प्रेरित किए। संस्था के प्राचार्य एसएल पाटकर ने खुशी जाहिर करते हुए प्रतिभागी बच्चों को आगे बढ़ने प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्राचार्य एसएल पाटकर, पीके ध्रुव, वायएस बलिहार, तुलेन्द्र सागर, नवीन चंद्राकर, किरण पटेल, पीएल साहू, तारिणी कहार, महेश्वरी साहू, वीके तिवारी, कुन्ती दीवान, गंगा बंजारे, जुगनी गुंबर, अमृता कौर, संगीता चंद्राकर, आराधना साहू, सेवनदास मनुकपुरी, विनोद वर्मा, पूर्णिमा सिन्हा, रश्मि चंद्राकर, हेमलता साहू, सुमन भारती कोसरे, पार्वती चन्द्रा, कार्यालयीन स्टाफ से शकुंतला सोनी, सुषमा सागर, रूखमणी साहू, चेष्टा राय, प्रदीप यादव आदि मौजूद रहे।

छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर अच्छे स्वास्थ्य का संदेश दिया

महासमुंद। मानव श्रृंखला बनाकर अच्छे स्वास्थ्य का संदेश देतीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरकोनी की छात्राएं। इस दौरान स्कूल स्टाफ भी शामिल था।

महासमुंद | शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरकोनी में शनिवार को स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम अंतर्गत छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के दैनिक जीवन के क्रियाकलाप व समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

व्याख्याता मनीषा तिर्की ने स्वच्छता के संबंध में स्कूल, गांव, देश को स्वच्छ रखने अपने विचार रखे। साथ ही शिक्षक रेणुका चंद्राकर ने प्लास्टिक के उपयोग से हानियां और दुष्प्रभाव ... व्याख्याता अनुपमा ... गुड टच और बेड ट... के संबंध में अपने ...

कार्यक्रम के बाद छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर अच्छे स्वास्थ्य का ...

जायसवाल, रेणुका चंद्राकर, महेंद्र ध्रुव, कार्यालयीन कर्मचारी केशव ...

बेमचा स्कूल में कबाड़ से जुगाड़, मॉडल प्रदर्शनी एवं उर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला का आयोजन

चित्रकला प्रतियोगिता में मानषी अव्वल

समवेत शिखर संवाददाता

महासमुन्द। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा में विगत दिवस संस्था के प्राचार्य एस एल पाटकर के दिशानिर्देश में कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत विभित्र मॉडल प्रदर्शन करने एवं ऊर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें विद्यालय के विज्ञान क्लब, गणित क्लब, इको क्लब, भूगोल परिषद, वाणिज्य क्लब के साथ व्यावसायिक अध्ययन टेलीकॉम और कृषि के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर सहभागिता किया। आयोजन के प्रभारी शिक्षक गण तारणी कहार, आराधना साहू एवं जुगनी गुम्बर के नेतृत्व में बच्चों ने कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत अनुपयोगी एवं पुरानी व बेकार पड़ी वस्तुओं से अनेक प्रकार के शैक्षिक सामग्री बना कर व्याख्या सहित अपने अपने मॉडल का जीवंत प्रस्तुति करण कर सभी शिक्षकों व अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किये साथ ही ऊर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला के माध्यम से बच्चे अपनी विचार व सन्देश को प्रदर्शित किए।

प्रतियोगिता में मानषी विश्वकर्मा ग्यारहवीं ने सोलर सिस्टम बना कर प्रथम स्थान, दिव्या यादव नवमी ने वाटर फिल्टर बना कर द्वितीय स्थान एवं ईश्वरी साहू बारहवीं ने ए टी एम व मधु महिलांग ग्यारहवीं ने कूलर बना तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रतिभागी विद्यार्थी गेंदलाल साहू भूगोल की शाखाएं, ममता ध्रुव गुलदस्ता, प्रीति चन्द्राकर डस्टबिन, अंजली उत्सर्जन तंत्र, तरूण स्वशन तंत्र, मोनिका पाचन तंत्र, आरती देवदास व रिंकी निषाद बीजों का अंकुरण, पुष्पा पेन स्टेण्ड, चन्द्रहास पवन चक्की, पूनम ध्रुव बेलेन्स बार, पूजा व पूनम ने आदर्श स्कूल का मॉडल बना कर सभी ने सजीवता प्रदर्शित कर सभी शिक्षकों व बच्चों को आकर्षित व प्रेरित किये।

संतोषी टेकाम बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द मंथ

सरायपाली, 16 अक्टूबर (देशबन्धु)।शासकीय हाई स्कूल रोहिना में छात्रों में चौमुखी विकास करने एवं छात्रों को प्रोत्साहित करने बेस्ट स्टूडेंट ऑफ मंथ चुनने की शुरुवात इस सत्र से की गई है ... जाता है तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एवं क्लास में अच्छी उपस्थिति वाले छात्रों को बेस्ट स्टूडेंट ऑफ़ मंथ चुना जाता गया है। पिछले माह का बेस्ट ऑफ स्टूडेंट संतोषी टेकाम को चुना गया। इन्हें प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता कमलेश साहू, के के ...

Swami Atmanand
Government English-Hindi Medium School of Excellence
Konta,Dist.Sukma CG

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

एक अक्टूबर को 1 घंटे का स्वच्छता पखवाड़ा अभियान

स्वच्छता अभियान में निकली रैली, हुई विभिन्न स्पर्धाएं

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व अन्य ● नईदुनिया

पाली (नईदुनिया न्यूज)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय लाफा में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई स्वच्छता अभियान आधारित विविध कार्यक्रम अंतर्गत स्वच्छता अभियान, स्वच्छता रैली, गोष्ठी, मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राचार्य जोयी बंजारे के संरक्षण, कार्यक्रम अधिकारी महावीर प्रसाद चंद्रा के अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने काफी संख्या में भाग लिया। इस दौरान मेहंदी प्रतियोगिता प्रभारी गुड्डी खूटे के निर्देशन में प्रथम अनन्या श्रीवास 10 वीं, हैमा 12 वीं द्वितीय, तृतीय तृषा, नीलिमा नौवीं, अन्य प्रतिभागियों में यशस्वी, अंजलि, दीपिका, अनसूईया, शिवरात्रि, सानिया, मोनिका, ज्योति, राजिन, वंदना आदि की सहभागिता रही। साथ ही गतिविधि आधारित योग प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वाले मनीष कुमार, श्वेता, ज्योति यादव, प्रवीण, यशस्वी, यामिनी, वासु, अनन्या, प्रवीण, रूपा, रूपेश, देव सिंह, अनुज आदि प्रतिभागियों को राष्ट्रीय राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से प्रभारी प्राचार्य पीके पाल द्वारा डिक्शनरी, साहित्य, पेन से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पाल सर ने सहभागिता निभाने वाले सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता की शुरूआत स्वयं से करते हुए, अपने घर, मोहल्ला और समाज में ले जाकर इसके महत्व को जन-जन तक बताने का आह्वान किया। कार्यक्रम अधिकारी ने स्वच्छ भारत समृद्ध भारत, स्वच्छ गांव समृद्ध गांव, स्वच्छता के संदेश को नारा के माध्यम से हाथ धुलेंगे साबुन से, रोग मिटेंगे जीवन से,स्वच्छता अभियान चलाएंगे रोगों को मिटाएंगे आदि नारों के माध्यम से प्रेरित करते हुए अभियान में सहभागी बनकर सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर व्याख्याता राजू लाल चक्रधारी, पीके वैष्णव, यूएस श्रीवास, वीर सिंह कंवर, प्रतिभा दिवाकर, स्मिता सिंह, उमेश मैत्री, राजकुमार गिरी व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

अभियान • शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा के छात्रों ने परिसर की साफ-सफाई कर पौधारोपण कर विश्व पर्यटन दिवस मनाया

स्कूली छात्रों ने 1 घंटे श्रमदान की ली शपथ, स्वच्छता का दिया संदेश

भास्कर न्यूज | महासमुंद

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा में विद्यार्थियों ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए स्कूल परिसर की साफ-सफाई कर पौधारोपण कर विश्व पर्यटन दिवस मनाया। साथ ही अपने आस-पास गंदगी न करने और दूसरों को भी गंदगी न करने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने 1 अक्टूबर को अपने गांव-घर में सुबह 1 घंटा श्रमदान करने की बात कही।

संस्था प्रमुख एसएल पाटकर ने कहा कि आस-पास स्वच्छ रखें, जिससे विभिन्न बीमारियों से बचा जा सके। स्काउट मास्टर सुरेंद्र सागर ने स्वच्छता की शपथ दिलाकर स्वच्छ भारत स्वच्छ स्कूल का संदेश दिया। इस अवसर पीके ध्रुव, खगेश्वर बसिहार, नवीन चंद्राकर, किरण पटेल, पीएल साहू, तारिणी कहार, महेश्वरी साहू, वीके तिवारी, कुंती दीवान, गंगा बंजारे, जुगनी गुंबर, अमृता कौर, संगीता चंद्राकर, आराधना साहू, सेवनदास, विनोद वर्मा, पूर्णिमा सिन्हा, रश्मि चंद्राकर, हेमलता साहू, सुमन भारती कोसरे, पार्वती चंद्रा आदि उपस्थित रहे।

महासमुंद। पौधरोपण करते विद्यार्थी व शिक्षक।

विद्यार्थियों ने सप्ताह में दो घंटे श्रमदान व स्वच्छता का लिया संकल्प

सराईपाली | स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्गापाली के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ परिवार, मोहल्ले, गांव, अपने कार्यालय व कार्यस्थल में सप्ताह में 2 घंटे श्रमदान करने की शपथ ली। साथ ही अपने आस-पास के 100 लोगों को जागरूक कर स्वच्छता ही सेवा अभियान में श्रमदान करने शपथ ली। इस दौरान प्राचार्य निमंकर पटेल, पुनितलाल चौधरी, सीता सिंह, राजेश पंडा, जगदेव साहू, एकता शर्मा, भूपेंद्र खुंटे, अंगद कुमार अजगर, रामप्रसाद यादव, केदार पटेल, शिवप्रसाद पटेल आदि उपस्थित थे।

SWAMI ATMANAND
Government English Medium School of Excellence,Konta
Food Festival

रेड हाउस,इंद्रावती फ़ूड प्लाजा
मेगी,आलूपराठा,रसगुल्ला,भेलपुरी,उपमा,ब्रेडपकोड़ा, बड़ा,गुलाब जामुन,बर्गर,बेसन पकोड़ा।

ब्लू हाउस,अरपा फ़ूड कोर्ट
गुलाबजामुन,पानीपुरी,खीर,छोलेबटुरे,नूडल्स,रबडी,रसगुल्ला,पुलिहारम,दही बड़ा।

येलो हॉउस,महानदी फ़ूडविला
ब्रेडपकोड़ा,फ्रूटजेली,कॉफी, कसटर्ड,गुलाब जामुन

ग्रीन हाउस,पैरी फ़ूड स्ट्रीट
प्याज़दोसा,पूड़ी,चाय,पास्ता,अरसा,बर्गर,मोमोस,मौजीतो,समोसा

आकर्षक स्टाल सपैसी डिजार्ट जोन
फ्लावरफुल ब्लीस

राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना हेतु
भाषा उत्सव 2023

स्वामी आत्मानंद जयंती

Swami Atmanand
Government English Medium School of Excellence
Konta, Dist.Sukma

संकुल स्तरीय
कबाड़ जुगाड़, गणित/विज्ञान प्रदर्शनी
बाल मेला
संकुल केन्द्र-बारदा/राजागाँव
विकासखण्ड कोण्डागाँव, जिला कोण्डागाँव (छ.ग.)

Swami Atmanand
Government English Medium School of Excellence
Konta, Dist.Sukma

शिक्षा एक संकल्प
संकल्प सप्ताह : 03 से 09 अक्टूबर 2023
आकांक्षी विकासखंड - कोंटा,जिला सुकमा छ.ग.

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता

फोटो गैलरी

"सर्वसुविधा युक्त
परिसर"
निजगाइशमी की
हार्दिक
शुभेच्छा...
सर्वोत्तम शिक्षक व शिक्षण पद्धति
सेजेस, बोरी : के संग → गुणवत्ता व नियमितता
की जीत
वास्तविक शिक्षा : कल भी, आज भी और कल भी...
वर्ष के 365 दिन (3-12-2020 से)
प्राचार्य व स्टॉफ

GOVT
SHAHEED SMARAK
FAFADIH, RAIPUR

शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान

जिला-राजनन्दगाँव

जिला-बेमेतरा

स्वीप गतिविधि

Vote For India

मतदान दीप

आपका मतदान
लोकतंत्र की जान
वोट है ताक़त

मतदाता जागरूकता अभियान सह-आनंद मेला

टीएलएम प्रदर्शनी की झलकियाँ

मासिक ई पत्रिका

शिक्षा के गोठ

स्कूल शिक्षा विभाग
का मासिक ई-न्यूज़लेटर

प्रेरणा स्रोत
डॉ. आलोक शुक्ला
डॉ. एस. भारतीदासन

प्रधान संपादक
राजेश सिंह राणा

प्रबंध संपादक
जय प्रकाश रथ

संपादक
प्रशांत कुमार पाण्डेय

संपादकीय सलाहकार
ए.के. सोमशेखर
पुष्पा किस्पोट्टा
डॉ. एम. सुधीश
डॉ. सीमा श्रीवास्तव

संपादन सहयोग
डॉ. प्रदीप शर्मा
रीता मण्डल
के. शारदा

लेआउट डिजाईन
कृष्णा गौर

नीचे दिये गए बटन पर टैप करके हमसे जुड़े

t.me/ptdnews
ptdchhattisgarh
पढ़ई तुंहर दुआर
scert.del@gmail.com